दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 193 ■ दमण, बुधवार 22, अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण की चौडी और सुदृढ सडकें पर्यटन उद्योग के बढते भार को संभालने में महत्वपूर्ण साबित हो रही है

पर्यटन उद्योग की लाइफ लाइन दमण के तीन बत्ती - देवका मुख्य मार्ग का युद्धस्तर पर नवीनीकरण का कार्य जारी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। प्रशासक प्रफुल पटेल ने 2016 में संघ प्रदेश थ्रीडी की कमान संभालने के बाद लगातार एक साल तक ग्राउंड जीरो पर सतत दौरा कर तीनों जिलों में भौगोलिक परिस्थिति के अनुरूप विकास परियोजनाओं को लागू करने की रूपरेखा तैयार की थी। अक्टूबर-नवंबर 2017 में स्वामी विवेकानंद सभागार में दमण कैसा है और उसे कैसा बनाने वाले है उसका ब्लू प्रिंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दमण की जनता को दिखाया था। आज दमण प्रशासक द्वारा जो सपना दिखाया गया था उसके अनुरूप बनकर तैयार हुआ है। इसके बाद बारी थी दमण की सभी मुख्य सडकों का चौडीकरण के साथ नवीनीकरण करने की। जिसमें मशाल चौक से पातलिया, तीन बत्ती से भेंसलोर, सोमनाथ से कचीगाम, डी-मार्ट से दाभेल चेकपोस्ट, बामनपूजा सर्कल से चेकपोस्ट, तीन बत्ती से देवका शामिल था। इसके साथ-साथ नानी दमण और मोटी दमण का कोस्टल हाईवे का चौडीकरण एवं नवीनीकरण भी न्यू दमण के विजन में शामिल था। आज उपरोक्त दर्शाई गई ज्यादातर सडकों का काम या तो पूरा हो चुका है या तो अंतिम चरण में है। तीन बत्ती से देवका सडक का भी इसी क्रम में जोरशोर से काम चल रहा है। प्रशासक प्रफुल पटेल जब न्यू दमण की नींव रखने के बाद दमण की सडकों को चौडा कर उच्च गुणवत्ता के साथ बनाने की घोषणा कर रहे थे तब कुछ लोग कहते थे कि चौडी सडकों की क्या जरूरत है? छोटी सडकें सही है। लेकिन प्रशासक प्रफुल पटेल ने न्यू दमण का विजन धरातल पर उतराने के बाद रामसेतू और नमो पथ जैसे सी-फ्रंट रोड सहित के पर्यटन प्रोजेक्ट पूरे होने के बाद हर वर्ष लाखों पर्यटकों के आने की आहट को पहले ही भांप लिया था। उन्हें पता था कि दमण में इतनी बडी संख्या में पर्यटक आयेंगे की सडकें कम पड जायेगी। आज दमण में हर वर्ष लाखों पर्यटक आते है और करोडों रूपये का रोजगार यहां नागरिकों, होटल, बार, रेस्टोरेंट, रिक्शा चालकों और अन्य व्यापारियों को देकर जाते है। दमण की चौडी सडकें ही पर्यटन उद्योग का भार अपने कंधे पर उठाकर लोगों की आवाजाही आसान कर रही है। इन सडकों का सिर्फ पर्यटकों को ही नहीं बल्कि स्थानीय नागरिकों एवं उद्योगजगत को भी फायदा मिल रहा है।

काउंसिलर अस्पी दमणिया ने दमण से सिलवासा के लिए जीएसआरटीसी बस सर्विस का किया उद्घाटन

■ आनेवाले समय में बेहतर सुविधाएं पब्लिक-फ्रेंडली ट्रांसपोर्ट सर्विस की उम्मीद भी जताई : अस्पी दमणिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। दमण म्युनिसिपल काउंसिल के वॉर्ड नंबर 6 के काउंसिलर अस्पी दमणिया ने दमण नानी दमण बस स्टैंड से भिलाड के रास्ते सिलवासा सैली को जोडने वाली नई गुजरात स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन जीएसआरटीसी बस सर्विस का उद्घाटन किया। यह सर्विस लोगों की मन में लंबे समय से चली आ रही है। जो आज मांग को पूरा की गई है, खासकर नमो कॉलेज आने-जाने वाले स्टूडेंट्स और नमो हॉस्पिटल आने वाले मरीज़ों की, जिन्हें दमण और सिलवासा के बीच रोज़ाना आने-जाने में दिक्कतें आ रही थीं। पहले सिर्फ़ 20-25 पैसेंजर की लिमिटेड सीटिंग कैपीसिटी वाली एक छोटी एसी बस उपलब्ध थी, जो बढ़ती हुई पैसेंजर की संख्या के लिए काफी नहीं थी। दमण के तेजी से एजुकेशनल हब और टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर डेवलप होने के साथ 45 पैसेंजर की कैपेसिटी वाली बस सर्विस की जरूरत महसूस हो रही थी। जीएसआरटीसी ने अब इस ज़रूरी रूट को शुरू करके पॉजिटिव जवाब दिया है, जो दमण को गुजरात और भारत के अलग-अलग हिस्सों से भी जोड़ेगा। इस शुभ मौके पर अस्पी दमणिया ने पारंपरिक रूप से पूजा-पाठ करके बस को हरी झंडी दिखाकर पहली बस सर्विस का उद्घाटन किया। इससे सर्विस की शुरुआत हुई और वहां के लोगों में बहुत खुशी देखी गई। बसें रोज़ाना सुबह 6:40 बजे और 8:10 बजे दमण से चलेंगी। सिलवासा साई ली से दमण के लिए वापसी सर्विस दोपहर 1:10 बजे दोपहर 2:20 बजे और शाम 6:00 बजे मिलेंगी। इस बेहतर कनेक्टिविटी से यात्रा का बोझ कम होगा, समय बचेगा, दमण और आसपास के इलाकों के लोगों के साथ-साथ टूरिस्टों, एजुकेशनल, मेडिकल और इकोनॉमिक एक्टिविटीज में मदद मिलेगी। काउंसिलर अस्पी दमणिया ने जनता की जरूरतों को समझने और यह कीमती सर्विस शुरू करने के लिए जीएसआरटीसी का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशें दमण के विकास में बहुत मदद करती हैं। यहां के लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाती हैं। उन्होंने भविष्य में ऐसी और भी पब्लिक-फ्रेंडली ट्रांसपोर्ट सर्विस की उम्मीद भी जताई और आगे भी बेहतर ट्रांसपोर्ट सुविधाएं लाने की कोशिशों की तारीफ की है। दमण के लोगों ने इस पहल का दिल से स्वागत किया है।

डाभेल ग्राम पंचायत में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 21 अप्रैल। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण द्वारा एडवोकेट बार एसोसिएशन के समन्वय से डाभेल ग्राम पंचायत में 21 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वकील मयंक पटेल ने स्वास्थ्य अधिकारों और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण योजनाओं के लिए संवाद विधि जागरूकता, स्किल इंडिया मिशन, प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल कौशल प्रशिक्षण, पीएम वन धन योजना, डॉन नालसा (नशा मुक्त भारत के लिए डॉन ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन योजना, 2025) के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वकील कृपाली दाभेलकर ने पीसी और पीएनडीटी अधिनियम पर कानूनी जानकारी दिया। इस दौरान उपस्थित नागरिकों को विभिन्न कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों एवं सरकारी योजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों को जागरूक रहने तथा योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में डाभेल ग्राम पंचायत की सरपंच हेमाक्षी पटेल, जिला पंचायत सदस्य तोरल पटेल, उपसरपंच शैलेष पटेल, पंचायत के सदस्यगण तथा ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

असली आज़ादी
बुधवार 22, अप्रैल 2026, दमण।

मणिपुर में कांपी धरती, 5.2 तीव्रता का आया भूकंप, सो रहे लोग घरों से आए बाहर

-जापान में भूकंप के बाद कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची दिखी सुनामी लहरें

इम्फाल (एजेंसी)। मंगलवार तड़के मणिपुर में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं दूसरी ओर जापान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद समुद्र की लहरों ने तटीय इलाकों में दस्तक दी है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार सुबह 5:59 बजे मणिपुर के कामजोंग जिले में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 62 किलोमीटर नीचे था। सुबह के समय आए इन झटकों से लोग डरकर घरों से बाहर आ गए। फिलहाल राज्य के किसी भी हिस्से से नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं दूसरी ओर जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि इवाते प्रांत के कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी देखी गई। शाम 4:53 बजे आए भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 7 में से 5 के ऊपरी स्तर पर दर्ज की गई और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पिछले एक सप्ताह से इसी तरह के भूकंपों की चेतावनी जारी की थी। जापानी मौसम एजेंसी ने होक्काइडो, आओमोरी और इवाते प्रांतों के प्रशांत तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और तत्काल 3 मीटर तक ऊंची लहरों के आने का पूर्वानुमान लगाया है। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से ऊंची जगहों पर जाने का आग्रह किया।

'आई-पैक' ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेजा, तरह-तरह के उठ रहे सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के मुताबिक इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को कुछ दिन ही बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव प्रचार मंगलवार को खत्म हो गया। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में आईपैक एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33फीसदी विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। टीएमसी भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, टीएमसी ने आशंका जताई है कि उसके 800 नेताओं, कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सुरक्षा बल एहतियातन गिरफ्तार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तुरंत सुनवाई की मांग की है। पार्टी को आशंका है कि केंद्रीय बल राज्य के पुलिस थानों को कब्जे में ले सकते हैं।

दिल्ली में शराब के बाद गुजरात में हवाला कांड में फंस सकती आम आदमी पार्टी

श्रीनगर(एजेंसी)। सूरत,(ईएमएस)। गुजरात के सूरत जिले में सामने आए कथित हवाला मामले ने आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट से राहत मिलने के बाद जहां मामला हाई कोर्ट में पहुंच चुका है, वहीं अब गुजरात से एक नया विवाद सामने आया गया है। सूरत पुलिस ने दावा किया है कि एक बड़े हवाला रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें पार्टी के कुछ पदाधिकारी शामिल हैं और जांच की आंच बड़े नेताओं तक भी पहुंच सकती है। पुलिस ने हवाला मामले में आकाश मिश्रा और अजय तिवारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों हवाला नेटवर्क के जरिए पैसे के लेनदेन में शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह नेटवर्क कथित तौर पर दिल्ली से संचालित हो रहा था और इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश होने की भी आशंका जाहिर की गई है। सूरत पुलिस की जांच में देखा जा रहा है कि क्या इन पैसों का उपयोग गुजराज की पटेल सरकार के खिलाफ माहौल बनाने और सोशल मीडिया पर प्रभाव डालने के लिए किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिश्रा पहले सत्येंद्र जैन के साथ काम कर चुका है और कई राज्यों—दिल्ली, हरियाणा, बिहार और मध्य प्रदेश में सक्रिय रहा है। आरोप है कि हवाला के जरिए मिले पैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को देते थे, ताकि वे गुजरात सरकार के विरोध में माहौल तैयार करें और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दें। इस मामले में आयकर विभाग ने भी जांच शुरु की है। जांचकर्ताओं का कहना है कि आरोपियों ने सूरत के महिधरपुरा इलाके में एक अंगड़िया से कई बार 15-20 लाख तक की रकम प्राप्त की।

कोलकाता के आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग... 75 से 80 मरीजों को बाहर निकाला गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मशहूर आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने अस्पताल की कई मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और इसकी जांच जारी है। आग लगने के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से करीब 75 से 80 मरीजों को बाहर निकालकर पास की इमारतों में पहुंचाया गया।

देश में गर्मी ने पकड़ा जोर, कई जगह पारा 45 डिग्री पर पहुंचा, विदर्भ में लू की मार

-उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। यूपी के बांदा में 17 अप्रैल को 45 डिग्री तापमान दर्ज करने वाला पहला शहर बना गया। विदर्भ के वर्धा में भी तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। दिल्ली में भी भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। नागपुर, गोंदिया, अमरावती समेत कई इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। पूरा विदर्भ क्षेत्र लू की मार झेल रहा है। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज में लू का असर देखा जा सकता है। आने वाले दिनों में भी विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तापमान ज्यादा रह सकता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 21 से 24 अप्रैल के बीच ओडिशा में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं, बताया जा रहा है, फिलहाल गुजरात के कुछ हिस्सों में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस हफ्ते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति बनने के आसार जताए जा रहे हैं।

आईएमडी के मुताबिक इस साल अप्रैल के तापमान में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। बीते सालों में जहां अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी का भयानक कहर शुरू हो जाता था, इस बार गर्मी का असर देर से महसूस हुआ है। साल 2026 में अप्रैल महीने में 16 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 17 अप्रैल को यह बढ़कर 41.0 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, साल 2025 में अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था।

नई दिल्ली (सफदरजंग) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में अप्रैल महीने का सबसे ज्यादा तापमान 43.5 डिग्री रहा, जो 29 और 30 अप्रैल 2022 को दर्ज किया गया था। वहीं, नई दिल्ली (पालम) में पिछले पांच सालों में अप्रैल का सबसे ज्यादा तापमान 44.0 डिग्री दर्ज किया गया, जो 30 अप्रैल 2022 को रिकॉर्ड हुआ था। बता दें, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। ज्यादा पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके अलावा आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना है। पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों में 24 अप्रैल तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 अप्रैल तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

अनुमान लगाया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 23 अप्रैल के आसपास एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालय तक पहुंचेगा, हालांकि इसका असर मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ दिनों तक हल्के बादल छाए रह सकते हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की प्रबल संभावना है, और कुछ स्थानों पर तापमान 44डिग्री तक पहुंच सकता है।

नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है : आचार्य प्रमोद

-देश में सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से नाता तोड़ चुके सीनियर नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने महिला आरक्षण बिल को लेकर पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या अब राहुल गांधी बन चुके हैं। चाहे महिलाओं की बात हो, 370 की बात हो, तीन तलाक की बात हो, चुनाव आयोग की बात हो, सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता रह चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जो नारी शक्ति का सम्मान नहीं करेगा, उसका पतन सुनिश्चित है। पूरे देश के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी तक, अटक से कटक तक भारत की नारी एक ही नारा लगा रही है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने नारी शक्ति का अपमान किया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी को यह पता चल चुका है कि देश की उन्होंने आधी आबादी के हकों को मारने का काम किया है। पीएम मोदी महिलाओं का सम्मान करना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी ने उसका विरोध किया। जबसे यह सृष्टि बनी है, तबसे लेकर आज तक नारी का अपमान जिस, जिसने किया है। नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है। कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी ने जब से महिलाओं का अपमान किया है, उनकी आत्मा मन ही मन उन्हें कचोट रही है और वह अनर्गल बातें कर रहे हैं। सच बात यह है कि देश की जनता और खासतौर पर माताएं-बहनें अब कांग्रेस के पुतले जला रही हैं। उससे डरकर राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है।

हाईकोर्ट ने मोहन भागवत की जेड प्लस सुरक्षा पर खर्च को लेकर याचिका खारिज की

-याचिकाकर्ता की मंशा पर जताई शंका, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के आरोप नहीं माने

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लेकर दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। अदालत ने न केवल याचिका को अस्वीकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए।

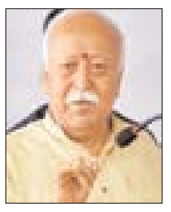

यह मामला हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के समक्ष आया था, जहां मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया था कि भागवत को दी गई जेड प्लस सुरक्षा पर हर महीने लगभग 40 से 45 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जो करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि चूंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है, इसलिए उसके प्रमुख को दी जा रही सुरक्षा का खर्च सरकार की बजाय संगठन को वहन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि इस खर्च की भरपाई संघ से कराई जाए। याचिका में मुकेश अंबानी से जुड़े एक मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निर्देश दिया था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा का खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाए। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता के इरादों पर सवाल उठाए। अदालत ने संकेत दिया कि इस तरह की याचिकाएं जनहित के नाम पर दाखिल की जाती हैं, लेकिन उनके पीछे वास्तविक उद्देश्य संदिग्ध हो सकता है।

गौरतलब है कि मोहन भागवत की सुरक्षा को जून 2015 में बढ़ाकर जेड प्लस श्रेणी में किया गया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। इससे पहले उनकी सुरक्षा महाराष्ट्र पुलिस के पास थी। उल्लेखनीय है कि उन्हें पहली बार 2012 में तत्कालीन यूपीए सरकार के दौरान जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी, जब सुशील कुमार शिंडे देश के गृहमंत्री थे।

तमिलनाडु चुनाव: स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी खाता खुलना भी मुश्किल!

-डीएमके गठबंधन को 120 से 140 तो एआईएडीएमके को मिल सकती है 90 सीटें

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें की जरुरत होती है। मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने

अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिलने के आसार हैं। 27 सीटों पर लड़ रही बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल दिख रहा है, लेकिन पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, तो 5 सीटें मिल सकती हैं। कोयंबटूर साउथ, तिरुनेलवेली, नागरकोइल, मोडाकुरिची और कारैकुडी सीट पर जीत के ज्यादा चांस हैं। गठबंधन की बाकी पार्टियों को 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में एआईएडीएमके ने 66 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थीं। गठबंधन को सिर्फ 75 सीटें मिली थीं। रिपोर्ट के मुताबिक तमिल फिल्मों से सुपरस्टार थलपति विजय की नई पार्टी टीवीके का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। पार्टी को 5 से 15 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि पार्टी का वोट शेयर 12फीसदी रह सकता है। टीवीके पहली बार चुनाव लड़ रही है। पिछली बार एक्टर सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची (एनटीके) और कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) का खाता नहीं खुला था। स्टालिन ने सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को चुनाव के पहले मजबूत किया। गठबंधन को मैनेज करना उनकी सबसे बड़ी खासियत मानी जाती है। स्थानीय और जातियों वाली पार्टियों को साथ लाए। कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत हर महिला को एक हजार रुपए महीने दिया। ये पैसा करीब एक करोड़ महिलाओं को मिला। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री सफर बड़ा फैक्टर है। सरकारी स्कूल से पढ़कर कॉलेज में जाने वाली लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपए दिए गए। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए। इनका फायदा लेने वाले युवा फर्स्ट टाइम वोटर हैं। तमिलनाडु में करीब 12.51 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक गठबंधन की कमजोरी कांग्रेस है। उसे 28 सीटें मिली हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक राज्य में कम ही सक्रिय रहे। कांग्रेस ने प्रचार का पूरा जिम्मा डीएमके को सौंप दिया है।

केदारनाथ मंदिर कमेटी का फैसला...न मोबाइल, न फोटो, और न ही वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बनाएंगे

देहरादून। केदारनाथ मंदिर की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए मंदिर समिति ने बड़ा निर्णय लिया है। अब मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। समिति के सदस्य विनीत पोस्टी के अनुसार, श्रद्धालु मंदिर के अंदर मोबाइल नहीं ले जा सकते और न ही फोटो, वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बना पाएंगे। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी, जिसमें सजा का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में दर्शन का अनुभव कराना है। देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर समिति ने सभी यात्रियों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है ताकि धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहे। वहीं, रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत यात्रा मार्गों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने, भीड़भाड़ कम करने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और स्थायी व अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि जिले को 2 सुपर जोन और 11 सेक्टरों में बांटा गया है। साथ ही 13 मोबाइल पुलिस टीमें भी तैनात रहेंगी। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जाएगा। यह पूरी योजना श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

अपर्णा और शाही के सपा-कांग्रेस का झंडा जलाने पर बीजेपी नाराज, पार्टी की हुई किरकिरी

-अखिलेश ने कहा था- बीजेपी वाले 12 करोड़ आबादी वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाएं भेजते

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बिल के पारित ना होने पर यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही ने सपा-कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध जताया था। अब दोनों महिला नेताओं के इस प्रदर्शन पर बीजेपी नेतृत्व नाराज है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही पर पार्टी हाईकमान ने सवाल उठाए हैं कि इससे पार्टी की किरकिरी हुई है।

बता दें 17 अप्रैल की देर रात विधानसभा के बाहर अपर्णा यादव और ऋतु शाही ने महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए और विपक्षी दलों के खिलाफ नारेबाजी की। यह प्रदर्शन संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के गिर जाने के विरोध में किया गया था। अपर्णा ने कहा था कि यह कलंकित करने वाली रात है। विपक्ष का चेहरा दिखावटी है। नारी शक्ति इन्हें कुचल देगी। सपा-कांग्रेस के नेता दुर्योधन और दुशासन जैसे हैं, इसलिए हमने उनके झंडे जलाए।

प्रदर्शन में सिर्फ 10-12 महिलाओं की मौजूदगी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने एक फोटो शेयर कर लिखा- बीजेपी वाले 12 करोड़ महिलाओं वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाओं को भेजते हैं। कहा जा रहा है कि अखिलेश के इस पोस्ट ने बीजेपी को काफी शर्मिंदगी में डाल दिया, जिसकी वजह से पार्टी आला कमान दोनों ही नेताओं से नाराज है। सूत्रों के मुताबिक यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और महासचिव धर्मपाल सिंह सहित कई बड़े नेता इस घटना से नाराज हैं। उनका कहना है कि बिना पार्टी की अनुमति के और इतनी कम संख्या में प्रदर्शन करना पूरी पार्टी को बदनाम करने जैसा था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अपर्णा यादव और ऋतु शाही से या तो लिखित स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है या फिर मौखिक जवाब।

बता दें मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव 2022 में सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई थीं। ऋतु शाही एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही की पत्नी हैं और पहले बीजेपी की गोरखपुर इकाई की महिला विंग की कोषाध्यक्ष रह चुकी हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण से बीजेपी की रणनीति को धक्का लगा है, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के विरोध के बाद इसे बड़ा मुद्दा बनाने के फ़िराक में है। फिलहाल दोनों महिला नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तुम से न हो पाएगा... कहकर तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर कस दिया तंज

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इंडिया गठबंधन नहीं चल पाएगा है। लालू के बड़े बेटे ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं और उनमें यह क्षमता है। तेज प्रताप ने कहा, प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती हैं। वे इंदिरा गांधी जी की तरह हैं। राहुल गांधी से गठबंधन चलने वाला नहीं है। यात्रा निकालने से या फिर बुलेट पर बैठ जाने से गठबंधन नहीं चलता। इस तरह तेज प्रताप ने कांग्रेस के सर्वोसर्वा राहुल गांधी पर ही सीधा सवाल उठा दिया है।

नीतीश कुमार के बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ने को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि वह कंप्रोमाइज हुए हैं और इसकारण भाजपा के दबाव में इस्तीफा दिया है। इस बोर में तेज प्रताप से पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन्हीं सब चीजों में फंसे रहने वाले है। शुरू में बुलेट चलाते हुए उनका शौक पूरा नहीं हुआ। अब उन्हें कुर्सी पर बैठने का लालच हुआ है। वह जो कुकिंग कर रहे थे और मीट-मुर्गा बना रहे थे, वही बनाते रहें। तेज ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। तेज प्रताप ने कहा कि अब नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़ने पर बात कर रहे हैं। नीतीश छोड़कर गए, तब दूसरे नेता आए और सीएम बन गए। राहुल गांधी को बिहार को लेकर लालच क्यों लग रहा है। उन्हें क्या यहां पर मुख्यमंत्री का पद चाहिए।

बात दें कि तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से बगावत की थी। वह अपने जनसत्ता दल की ओर से ही खुद लड़े थे और कैंडिडेट भी उतारे थे। हालांकि तेज प्रताप यादव खुद हार गए थे और उनके उतारे किसी कैंडिडेट को भी जीत नहीं मिली थी। तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव में सीधे हमले करते नहीं दिखे थे, लेकिन उनके करीबियों पर खूब बाण चलाए थे। इतना ही नहीं उनकी बहन रोहिणी आचार्य भी अक्सर सोशल मीडिया पर तेज प्रताप का ही समर्थन करती दिखती हैं। बता दें कि आरजेडी में इस फूट को भी हार की एक वजह माना जाता है।

भारत और रुस एक-दूसरे के देशों में हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग के बीच एक बड़ी हलचल हुई है। जिसका ध्यान पूरी दुनिया से खींचा है। दरअसल भारत और रूस एक दूसरे की जमीन पर अपने हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। बता दें कि भारत और रूस के बीच रीलॉस यानी कि रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट समझौता पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के एयरबेस, नेवल बेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सकते हैं और वह भी पूरी सफाई के साथ ऑपरेशन कर सकते है। इस डील की सबसे बड़ी ताकत इसकी क्षमता है। अब दोनों देश एक साथ 3000 सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच वॉरशिप्स एक दूसरे के क्षेत्र में तैनात कर सकते हैं। लेकिन असली खेल सिर्फ तैनाती नहीं है बल्कि उस तैनाती को मिलने वाला पूरा सपोर्ट है। यानी कि रिफ्यूलिंग, रिपेयर, मेंटेनेंस, मेडिकल और ट्रांसपोर्ट यानी पूरी युद्ध मशीन को कहीं भी चलाने की ताकत।

अब भारत की सेना सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तेजी से ऑपरेट कर सकती है। बात दें कि आज दुनिया एक नए पावर गेम में है। जहां हर देश अपने सप्लाई रूट्स और मिलिट्री रीच को सुरक्षित करने में लगा है। दूसरी वजह दुनिया भर में चीन का बढ़ता असर है। चीन लगातार एशिया और इंडोपेसिफिक में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। इसके बाद भारत के लिए अपनी मौजूदगी बढ़ाना जरूरी था। तीसरी वजह रूस की रणनीति को मना जा रहा है। पश्चिमी दबाव के बीच रूस को इसतरह के पार्टनर की जरूरत थी जिस पर भरोसा कर सके और भारत रुस के लिए दुनिया में सबसे भरोसेमंद दोस्त है। इस बीच भारत ने जो रास्ता चुना है वह सबसे अलग है ना पूरी तरह किसी एक के साथ और ना किसी के खिलाफ बल्कि अपने हितों के हिसाब से हर बड़े देश के साथ संतुलन बनाकर चलना।

रूस के पास आर्कटिक से लेकर यूरोप तक फैले सैन्य बेस है और इस डील के बाद भारत को इन इलाकों में एक्सेस मिल सकता है। खासकर आर्कटिक जहां भविष्य के नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं। यानी आने वाले समय में व्यापार और संसाधनों पर सीधा असर होगा। दूसरा लॉजिस्टिक मतलब रियल पावर मिलना है। युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं बल्कि सप्लाई से भी जीता जाता है। अब भारत और रूस एक दूसरे को फ्यूल, रिपेयर बेस सपोर्ट दे सकते है। मतलब जहां जरूरत वहां ऑपरेशन आसान। तीसरा स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमी जिसका पहले हमने जिक्र किया। यानी कि भारत ने अमेरिका के साथ एलईएमओए किया और अब रूस के साथ रिलोस। मतलब साफ है भारत किसी एक गुट में नहीं बल्कि हर बड़ी ताकत के साथ संतुलन बनाकर चल रहा है।

दीव में जगद्गुरु शंकराचार्य जयंती पर विशेष पूजन एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 21 अप्रैल। आदि जगद्गुरु शंकराचार्य जी की जयंती के अवसर पर वैशाख सुद पंचम को श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ विशेष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शंकराचार्यजी द्वारा स्थापित चारों प्रमुख मठों–उत्तर में ज्योतिर्मठ, पश्चिम में द्वारका शारदा पीठ, पूर्व में गोवर्धन मठ तथा दक्षिण में शृंगेरी शारदा पीठ का स्मरण करते हुए पूजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधिवत पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन, आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। यह आयोजन दीव जिला ब्रह्मो समाज के तत्वावधान में, श्री रोहितभाई आचार्य प्रभु के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

खंडवा बड़ौदा हाइवे पर भीषण सड़क हादसा, 6 की मौत एक घायल

बड़वानी (ईएमएस)। भीषण सड़क हादसे में 6 की मौत एक घायल, टैंकर ने लापरवाही पुर्वक चलाते हुए कार को मारी टक्कर जिसमे 7 लोग कार मे सवार थे, जिसमे 3 ने घटना स्थल पर दम तोड़ा और 3 की उपचार के दौरान अस्पताल में हुई मौत, 3 गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रैफर किया गया जिसमे से 2 की मौत हो गईं, बारात में जाने के दौरान खरगौन की ओर से आ रहे टैंकर से हुई थी कार की भिड़ंत, जुलवानिया टोल टैक्स के समीप खंडवा बड़ौदा हाइवे पर हुआ सड़क हादसा, जुलवानिया पुलिस मौके पर पहुंची, ग्रामीणों की मदद से घायलों को पहुंचाया अस्पताल,जानकारी के अनुसार टैंकर क्रमांक टढ-09-इऋ 5750 द्वारा लापरवाही पूर्वक चलाते हुए घटना को अंजाम दिया और ड्रायवर भाग गया, घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ लग गई लोगों ने पुलिस की सहायता से घटना के बाद रेस्क्यू किया एक फंसे हुए घायल को भी वहां से निकाला गया, घटना के बाद सड़क पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही थाना प्रभारी जुलवानिया द्वारा क्रेन मंगवाकर टैंकर को वहां से हटाया गया तथा दुर्घटना में क्षतिग्रस्त कार को भी हटाकर सड़क को सुचारू रूप से चालू किया गया। घटना मे पप्पु पिता हीरालाल भिलाला (32 वर्ष) निवासी ग्राम लिम्बई, सचिन पिता गोकुल भिलाला (25 वर्ष) निवासी ग्राम साकड, आकाश पिता दयाराम भिलाला (25 वर्ष) निवासी ग्राम रालामण्डल, प्रध्यम्य

पिता गुलीचंद सहिते (26 वर्ष) निवासी ग्राम सालखेडा, सोहन पिता झबरसिंग बघेल (28 वर्ष) निवासी ग्राम सालखेडा, यशवंत पिता सुपडिया भिलाला (30 वर्ष), निवासी ग्राम जलगोन इन 6 की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है वही सुरेश पिता मांगीलाल भिलाला (28 वर्ष) निवासी ग्राम देवझिरी का इलाज जारी है उपरोक्त जानकारी देते हुए थाना प्रभारी राम कुमार पाटिल ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही थाना जुलवानिया से पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची घायलों को एंबुलेंस की सहायता से प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल भेजा गया वहीं मृतकों के शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप गए।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन

निविदा आमंत्रण सूचना

यूटी भवन, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में फर्नीचर, औजार, सजावटी प्रकाश व्यवस्था, साउंड सिस्टम आदि की खरीद के संबंध में। (दूसरी कॉल)

टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4687_1

प्रीबिड मीटिंग की तारीख	: ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	: 27/04/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि	: 27/04/2026
बोली खुलने की तिथि	: 27/04/2026

For details please scan https://ddtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,

NO:IP/DMN/2/5/2026-27/38 DATE : 21/04/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन

निविदा आमंत्रण सूचना

कलारिया जंक्शन से नानी दमन स्थित डाभेल चेक पोस्ट तक जाने वाली प्रमुख जिला सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाने का अतिरिक्त कार्य। (ई-४७६९४)

टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4688_1

प्रीबिड मीटिंग की तारीख	: ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	: 25/04/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि	: 25/04/2026
बोली खुलने की तिथि	: 25/04/2026

For details please scan https://ddtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,

NO:IP/DMN/2/5/2026-27/39 DATE : 21/04/2026

UT ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

Department of Land Acquisition, Daman

Draft Social Impact Assessment Report

Purpose: Acquisition of land for Tourism Development Projects at Chappli Sheri, Nani Daman

Draft Social Impact Assessment Report U/s. 6 (1) of RFCTLARR Act 2013.

No. 3/143/LND-ACQ/2025-26/509 Dated 21.04.2026.
3/143/LND-ACQ/2025-26/632 Dated 21.04.2026.

Village Nani Daman

Area of acquisition 1566.00 Sq. mtrs.

For details please scan or visit https://ddd.gov.in/

The Land Acquisition Collector, Daman

NO:IP/DMN/2/5/2026-27/40 DATE : 21/04/2026

CHANGE OF NAME

OLD NAME : MEHMUDBHAI ABDULGAFAR AJMERI **NEW NAME: MEHMUDBHAI GAFARBHAI AJMERI**

ADDRESS : 15/183, AG-1, KHARIWAD, KOLIWAD, DAMAN

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM DINESHKUMAR FAKIRCHAND GOYAL **TO DINESH KUMAR GOYAL** AS PER DOCUMENT

ADDRESS : TULIP-A/503 PARK CITY, KILVANI ROAD,OPP YOGI HOSPITAL,SILVASSA-396230

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM ITI DINESHKUMAR GOYAL **TO ITI GOYAL** AS PER DOCUMENT

ADDRESS : TULIP-A/503 PARK CITY, KILVANI ROAD,OPP YOGI HOSPITAL,SILVASSA-396230

CHANGE OF NAME

MY DAUGHTER'S NAME CHANGED FROM JENISHA DINESHKUMAR GOYAL **TO JENISHA GOYAL** AS PER DOCUMENT

ADDRESS : TULIP-A/503 PARK CITY, KILVANI ROAD,OPP YOGI HOSPITAL,SILVASSA-396230

दिल्ली-एनसीआर में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

नई दिल्ली(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में बड़े हमले की साजिश को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने समय रहते नाकाम कर दिया। पुलिस ने पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर और आईएसआई के कथित प्रॉक्सी शाहजाद भट्टी के इशारे पर काम कर रहे दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। स्पेशल सेल को खुफिया जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान में बैठा गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आईएसआई के अन्य गुर्गे, भारत में मौजूद अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में ग्रेनेड हमले और टारगेट किलिंग को अंजाम देने की एक आपराधिक साजिश रच रहे हैं। इसी के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजवीर (21) और विवेक बंजारा (19) के रूप में हुई है। दोनों मध्य प्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले हैं। स्पेशल सेल ने इन्हें एक विशेष अभियान के दौरान पकड़ा। पुलिस ने आरोपी राजवीर के पास से एक पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अतिरिक्त, दोनों आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं, जिनमें आपत्तिजनक वीडियो और वॉयस नोट्स मिले हैं। पूछताछ में पता चला कि राजवीर अपने हैंडलर शहजाद भट्टी के निर्देश पर दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र के एक प्रमुख होटल को निशाना बनाने की तैयारी कर रहा था। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है और उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि किन-किन स्थानों को निशाना बनाया जाना था।

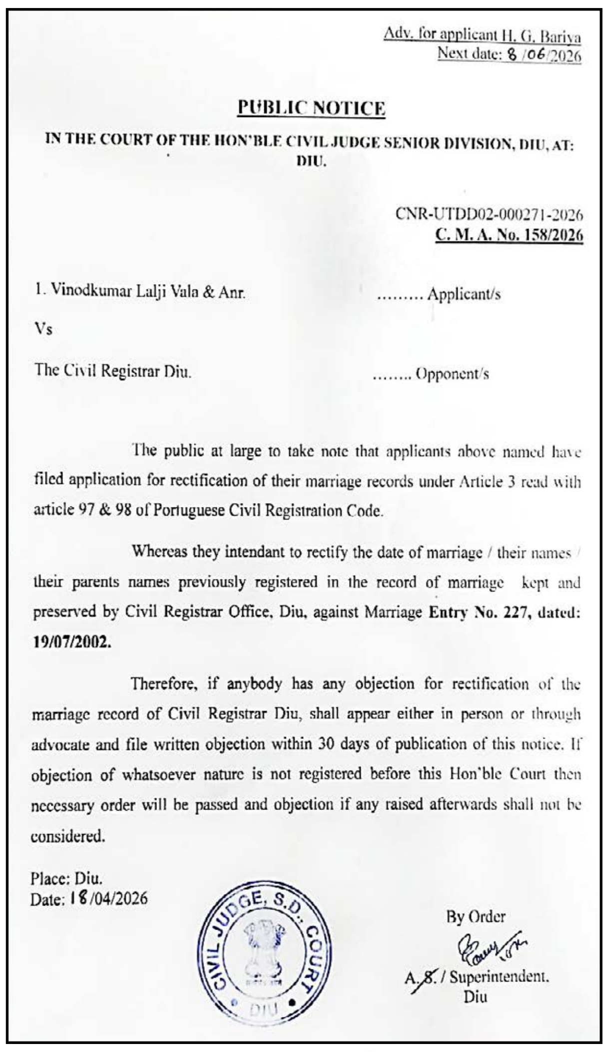

Adv. for applicant H. G. Bariya
Next date: 8 /06/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000271-2026
C. M. A. No. 158/2026

1. Vinodkumar Lalji Vala & Anr. .... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 227, dated: 19/07/2002.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 18/04/2026

CIVIL JUDGE, S.D., COURT DIU

By Order
A.S. / Superintendent.
Diu

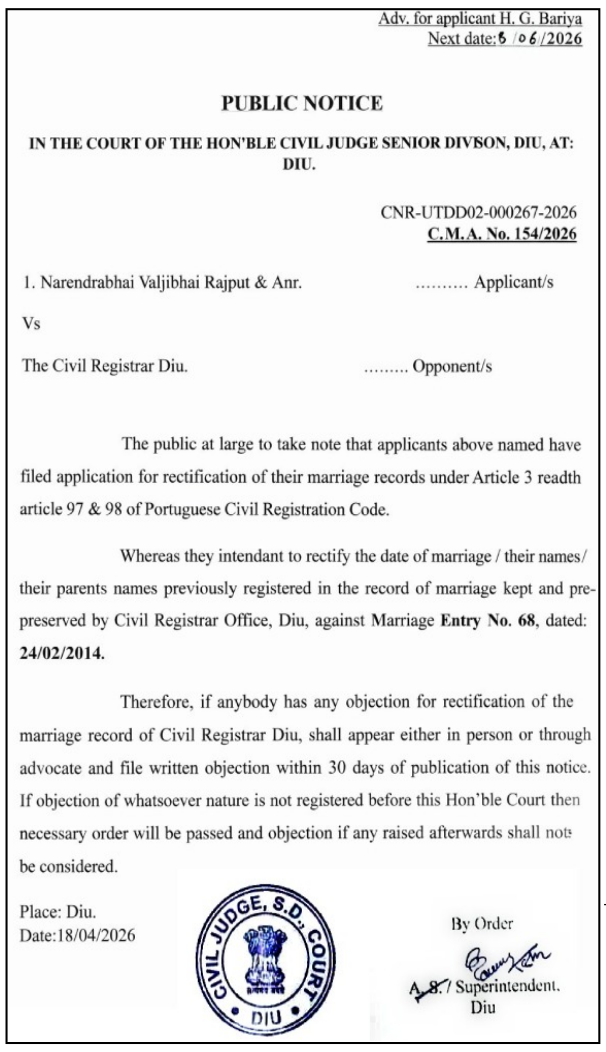

Adv. for applicant H. G. Bariya
Next date: 8 /06/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVSON, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000267-2026
C.M.A. No. 154/2026

1. Narendrabhai Valjibhai Rajput & Anr. .... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 readth article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names/ their parents names previously registered in the record of marriage kept and pre-preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 68**, dated: **24/02/2014.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date:18/04/2026

CIVIL JUDGE, S.D., COURT DIU

By Order
A.S. / Superintendent.
Diu

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 13 की मौत

त्रिशूर(ईएमएस)। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे। इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 5 लोगों की हालत बेहद ही गंभीर बताई जा रही है।

शरद पवार अस्पताल में भर्ती

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के हवाले से आई जानकारी के मुताबिक उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि 85 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री को दो दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्हें नियमित जांच के सिलसिले में अस्पताल लाया गया। उनकी हालत गंभीर नहीं है। गौरतलब है कि वयोवृद्ध राजनेता शरद पवार हाल ही में व्हीलचेयर पर बैठकर संसद पहुंचे थे। राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए पहुंचे पवार ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए थे। इससे पहले पवार को इसी वर्ष फरवरी में पुणे के एक अस्पताल में दो बार भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के मुताबिक फरवरी में उन्हें छाती में संक्रमण और डिहाइड्रेशन की शिकायत के बाद डॉक्टरों से दिखाया गया था।

TORRENT POWER | DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहको को मिलने वाली बिजली सुबह ८:०० से शाम ६:०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
२४/०४/२०२६ शुक्रवार	डाभेल	११ केवी जागृति	घेलवाड फलिया के सामने, डाभेल क्रिकेट मैदान, वापी दमन मेईन रोड, अमलिया तालाब
		११ केवी साई (डीबी)	महात्मा गांधी उद्योग
		११ केवी दामोदर	डाभेल को.ओ. सोसायटी लिमिटेड, सागर पॉलिमर इंडस्ट्रीज़ के पास का क्षेत्र
		११ केवी गोल्डन	अमलिया फलिया, तलाव फलिया, सड़क फलिया, गोल्डन इंडस्ट्रीज़ एस्टेट, दमन-वापी मुख्य सड़क
		११ केवी पेट फाइबर्स एक्सप्रेस	जय कॉर्प.
		११ केवी पॉलीसेट	महात्मा गांधी उद्योग नगर
		११ केवी एमजीयूएन	महात्मा गांधी उद्योग नगर, वल्लभ जगन मेन रोड, पटेल पार्क, वीरा इंडस्ट्रियल एस्टेट
		११ केवी स्टेशन टीआर (डीबी)	स्टेशन ट्रांसफार्मर
		११ केवी वोटर वर्क्स	डायमंड ईन्ड. एस्टेट, आटियावाद ईन्ड. क्षेत्र, वोटर सप्लाय युनिट १ और २, कोकिल बार, तेजल बार, संजय बार
		११ केवी हिंगराज	हिंगराज ईन्ड. एस्टेट, हिंगराज माता मंदिर
		११ केवी नवभारत	तलाव फलिया, फकीर फलिया, आमरण फलिया, डाभेल चेकपोस्ट, कुंभार फलिया, आटियावाड
		११ केवी महावीर	डाभेल को. ओ. सोसायटी लिमिटेड
		११ केवी आल्फा	डाभेल को. ओ. सोसायटी लिमिटेड
		११ केवी टोटल एक्सप्रेस	टोटल पैकेजिंग ईन्ड.
		११ केवी अमित एक्सप्रेस	अमित ईन्ड., कुलोदय प्लास्टोमर प्राइवेट लिमिटेड, टेम्पल पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड
		११ केवी प्रिसिजन एक्सप्रेस	प्रिसिजन प्लास्टिक इंडस्ट्रीज़
		११ केवी यूएसवी एक्सप्रेस	यूएसवी प्राइवेट लिमिटेड
		११ केवी यूनिफाई एक्सप्रेस	भीम पोलीफेब इंडस्ट्रीज़
		११ केवी कृष्णा	फकीर फलिया, कुंभार फलिया, तलाव फलिया, आमरण फलिया, घेलवाड फलिया, वापी-दमन मेईन रोड, आमलिया फलिया, पुनिया फलिया
		११ केवी पोलीओल एक्सप्रेस	टेकफेब इंन्ड.
		११ केवी ऑलिव	ओलिव हेल्थ केर, सुपर टेक्स वुवेन ईन्ड.
		११ केवी कल्पतरु	महात्मा गांधी उद्योग नगर, दमन इंडस्ट्रियल को. ओ. सोसाइटी लिमिटेड
		११ केवी ए-कुमार एक्सप्रेस	ए-कुमार इंड.

असुविधा के लिए खेद है

आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ
आपके परिवार की सुरक्षा का वादा

अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें और सुरक्षित रहें

एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटके से बचाएगी

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित

24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551

connect.torrentpower.com

connect.dnhdd@torrentpower.com

धधकती धरती: विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्व पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

संपादकीय

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनःस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

स्पेस में बढ़ता मलबा और सैटेलाइट की सुरक्षा बनी चुनौती

कांतिलाल मांडोत

पिछले दो दशकों में अंतरिक्ष गतिविधियों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है, उसने मानवता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर खतरा भी पैदा हो गया है। यह खतरा है अंतरिक्ष में तेजी से बढ़ते मलबे का, जिसे अब वैज्ञानिक ह्यस्पेस डेब्रिसह्व के नाम से पहचानते हैं। 2005 से 2025 के बीच भारत सहित दुनिया के कई देशों ने सैकड़ों उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित किए, जिससे पृथ्वी की कक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक भीड़भाड़ वाली हो गई है। इस स्थिति ने सैटेलाइट की सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बना दिया है।

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए कई बार अपने उपग्रहों और मिशनों को संभावित टकराव से बचाने के लिए कक्षा में बदलाव किया है। हाल के वर्षों में उपग्रहों और चंद्र मिशनों को कुल 18 बार खतरे से बचाने के लिए रास्ता बदलना पड़ा, जिनमें से अधिकांश मामले अंतरिक्ष मलबे से जुड़े थे। यह केवल तकनीकी चुनौती नहीं है, बल्कि यह भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की सुरक्षा और सफलता से भी जुड़ा हुआ विषय बन चुका है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या अब एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। विभिन्न शोधों के अनुसार, पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े लगभग 40,000 मलबे के टुकड़े मौजूद हैं, जबकि 1 सेंटीमीटर से बड़े टुकड़ों की संख्या 12 लाख के करीब पहुंच चुकी है। यह मलबा पुराने उपग्रहों के अवशेष, रॉकेट के टूटे हिस्से और टकराव से उत्पन्न कणों का मिश्रण है। इनकी रफ्तार लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा होती है, जो किसी भी सक्रिय उपग्रह के लिए बेहद खतरनाक है। इतनी तेज गति से चलने वाला एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी सैटेलाइट को पूरी तरह नष्ट कर सकता है।

भारत के चंद्र मिशन भी इस खतरे से अछूते नहीं हैं। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर को 2025 में कई बार अपनी कक्षा बदलनी पड़ी। अकेले इस मिशन के लिए 16 बार ऑर्बिट मैन्यूवर किए गए, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह दशार्ता है कि अब अंतरिक्ष में काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और जोखिम भरा हो गया है। हर मिशन को न केवल अपने वैज्ञानिक उद्देश्यों पर ध्यान देना होता है, बल्कि उसे सुरक्षित बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ का एक और असर लॉन्चिंग प्रक्रियाओं पर भी पड़ा है। कई बार रॉकेट लॉन्च को अंतिम क्षणों में टालना पड़ता है ताकि वह मलबे के रास्ते से बच सके। एक मामले में भारत को अपने एक मिशन की लॉन्चिंग 41 सेकंड तक टालनी पड़ी, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह छोटी सी देरी दिखने में मामूली लग सकती है, लेकिन इसके पीछे अत्यंत जटिल गणनाएं और सुरक्षा उपाय होते हैं।

इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने ह्यनेत्रह्व परियोजना की शुरूआत की है। प्रोजेक्ट नेत्र का उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद मलबे और अन्य वस्तुओं की निगरानी करना है। इसके तहत उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो 10 सेंटीमीटर तक के मलबे को भी पहचान सकें। यह प्रणाली भविष्य में सैटेलाइट्स को समय रहते खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दुनिया के अन्य देश भी इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका उन्नत कोलिजन अवॉइडेंस सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है और 2030 तक सक्रिय मलबा हटाने वाली तकनीकों को तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन ने विशाल ग्राउंड-बेस्ड टेलीस्कोप सिस्टम तैयार किया है, जो अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी करता है और उपग्रहों को सुरक्षित कक्षा में स्थानांतरित करने में मदद करता है। वहीं यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी मलबे को हटाने के लिए नई तकनीकों पर काम कर रही है, जिनमें छोटे कणों को जलाकर नष्ट करना या उनकी दिशा बदलना शामिल है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी मांग करती है। जैसे-जैसे अधिक देश और निजी कंपनियां अंतरिक्ष में प्रवेश कर रही हैं, यह जरूरी हो गया है कि सभी एक साझा नियम और जिम्मेदारी के तहत काम करें। अगर इस दिशा में समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों की लागत और जोखिम दोनों बढ़ सकते हैं।

स्पेस डेब्रिस का बढ़ता खतरा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और विकास का

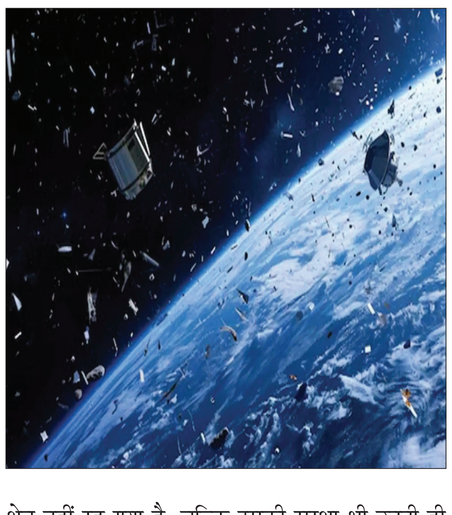

क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी हो गई है। आने वाले वर्षों में सैटेलाइट्स की संख्या और बढ़ेगी, जिससे यह चुनौती और गंभीर हो सकती है। ऐसे में वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे नई तकनीकों और रणनीतियों के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालें।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष में बढ़ता मलबा मानवता के लिए एक चेतावनी है। यदि हम समय रहते सतर्क नहीं हुए, तो यह हमारी सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए सैटेलाइट की सुरक्षा अब केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी बन चुकी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग

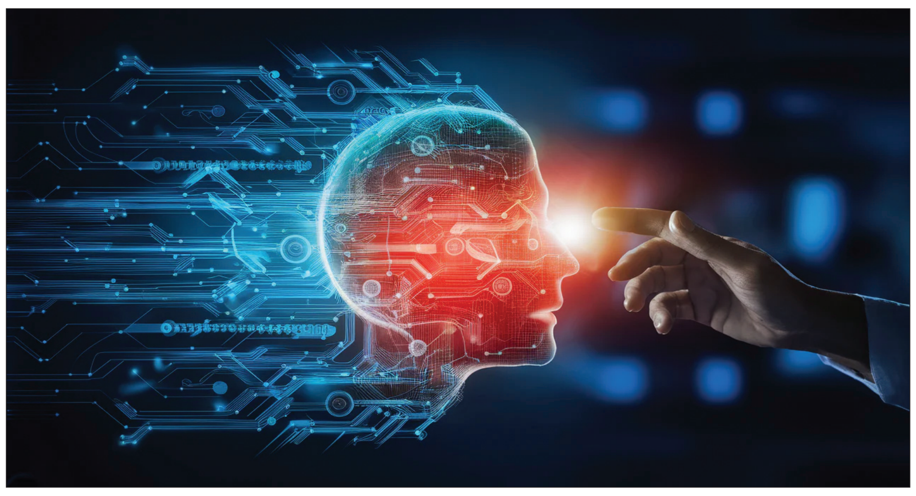

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मयार्दाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

लेबनान में यीशु प्रतिमा वाली तस्वीर पर बवाल, इस्राइली सेना ने जांच शुरू की; सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

तेल अवीव, एजेंसी। लेबनान के दक्षिणी हिस्से में एक वायरल तस्वीर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में इस्राइली सेना ने जांच शुरू कर दी है। तस्वीर में एक इस्राइली सैनिक को कथित तौर पर यीशु मसीह की क्रूस पर लगी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाया गया है। यह तस्वीर लेबनान के देबेल गांव की बताई जा रही है। इस तस्वीर में क्रूस पर लगे यीशु की प्रतिमा को असामान्य स्थिति में दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि एक सैनिक ने हथौड़े या कुल्हाड़ी जैसी चीज से प्रतिमा पर वार किया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। देबेल गांव के उप प्रमुख मारून नसीफ ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं पर हमला बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि वे इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक का आचरण पूरी तरह से उन मूल्यों के विपरीत है जिनकी उनसे अपेक्षा की जाती है। आईडीएफ के उत्तरी कमान ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। आईडीएफ ने कहा 'जांच के निष्कर्षों के अनुसार, इसमें शामिल लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।' सेना ने यह भी कहा कि वे स्थानीय समुदाय की प्रतिमा को उसके मूल स्थान पर बहाल करने में सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं।

होर्मुज की सुरक्षा पर भारत-दक्षिण कोरिया साथ, राष्ट्रपति ली ने सप्लाई चेन सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा है कि दक्षिण कोरिया और भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन को स्थिर बनाने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद अहम है। राष्ट्रपति ली ने एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रस्तावित शिखर वार्ता से पहले की। यह बैठक उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद मोदी के साथ तीसरी आमने-सामने की मुलाकात मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर असर पड़ा है। इसके चलते वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है और औद्योगिक उत्पादन के लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। राष्ट्रपति ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया और भारत दोनों अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया से आने वाले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा हमारे नागरिकों की सुरक्षा और हमारे देशों के अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दक्षिण कोरिया भारत के साथ लगातार संवाद बनाए रखेगा ताकि सभी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से गुजर सकें। साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे। ऊर्जा निर्भरता कम करने और आपूर्ति संकट से निपटने के लिए राष्ट्रपति ली ने महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक आयात मॉडल से आगे बढ़ते हुए दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता और भारत की खनन व रिफाइनिंग क्षमता को जोड़कर स्थिर और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एआई, रक्षा, शिपिंग, शिपबिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और वित्तीय सेवाओं जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी साझेदारी को नई गति दी जाएगी।

अमेरिका के लुइसियाना में घरेलू कलह के चलते हुई गोलीबारी, आठ बच्चों की दर्दनाक मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में गोलीबारी की दर्दनाक घटना हुई है। इस घटना में एक से 14 साल के आठ बच्चों की मौत हो गई है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि घरेलू कलह के चलते ये घटना हुई। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना रविवार तड़के श्रेवपोर्ट इलाके में हुई। श्रेवपोर्ट पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में कुल 10 लोगों को गोली लगी, जिनमें कुछ बच्चे संदिग्ध हमलावर के रिश्तेदार भी थे। गोलीबारी में आठ बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों की उम्र एक वर्ष से लेकर लगभग 14 वर्ष तक बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की बाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान मौत हो गई। गोलीबारी के बाद आरोपी ने मौके से भागते समय एक कार चोरी कर ली थी, जिसके बाद पुलिस ने उसका पीछा किया। पुलिस ने अभी तक आरोपी की पहचान उजागर नहीं की है, लेकिन उसे एक वयस्क पुरुष बताया गया है।

ईरान सेना और विदेश नीति पर आईआरजीसी का नियंत्रण; कमांडर अहमद वाहिदी ले रहे हैं देश के फैसले

ईरान, एजेंसी। ईरान को लेकर आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब वहां की सेना और विदेश नीति पर कट्टरपंथी संगठन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) का पूरा नियंत्रण हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी और उनके सहयोगी अब देश के फैसले ले रहे हैं, जबकि पहले जो नेता बातचीत और शांति की कोशिश कर रहे थे, उन्हें किनारे कर दिया गया है।

बताया गया है कि अब्बास अराघची जैसे नेता अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहते थे और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत थे, लेकिन आईआरजीसी ने इस फैसले को रोक दिया। इसके बाद ईरान ने उस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर हमला भी किया, जिससे कई जहाज फंस गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अब ईरान के अंदर सख्त रुख अपनाया जा रहा है और जो नेता नरम रवैया चाहते हैं, उनकी शक्ति कम हो गई है। इससे अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत मुश्किल हो गई है और क्षेत्र में तनाव बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

दुनिया भर में कैसा है बाजार का हाल : एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। टोक्यो, हांगकांग, शंघाई, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। केवल बैंकॉक लाल निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को बड़ी तेजी के साथ बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में इक्विटी में 683.20 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इक्विटी में 4,721.48 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार : अमेरिका-ईरान तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सोमवार को सपाट हुई। सुबह 9:17 पर सेंसेक्स 137.14 अंक या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,356.40 और निफ्टी 61.65 अंक या 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,291.50 पर था। बाजार में गिरावट का नेतृत्व मेटल और रियल्टी शेयर कर रहे थे। इस कारण सूचकांकों में निफ्टी मेटल और निफ्टी रियल्टी टॉप लूजर्स थे। इसके अलावा निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी ऑयल एंड गैस भी लाल निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी कंजप्शन हरे निशान में थे। दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखने को मिल रही थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 303.70 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,201.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 38.40 अंक या 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,604 पर था। सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, टाटा स्टील और इंडिगो गेनर्स थे। वहीं, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, टाइटन और इटरनल लूजर्स थे।

अमेरिका-ईरान वार्ता में मुख्य अड़चनें : ईरान का परमाणु कार्यक्रमः अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद कर दे, लेकिन तेहरान का कहना है कि किसी भी तरह की पाबंदी केवल सीमित वर्षों के लिए होनी चाहिए। ईरान का यूरेनियम भंडारः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने लगभग 400 किलोग्राम उच्च संवर्धित यूरेनियम को अमेरिका को सौंप दे। लेकिन ईरान ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्यः ईरान का कहना है कि वह इस समुद्री मार्गों पर अपनी पाबंदियां तब तक बनाए रखेगा, जब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी नहीं हटाता। लेकिन ट्रंप का कहना है कि जब तक समझौता नहीं होता, तब तक यह रोक जारी रहेगी।

जब्त की गई संपत्तियांः ईरानी अधिकारी मांग कर रहे हैं कि अमेरिका उन पर लगे प्रतिबंध हटाए और करीब 20 अरब डॉलर की संपत्तियां जो जब्त हैं, उन्हें वापस करे। युद्ध क्षतिपूर्तिः ईरान यह भी मांग कर रहा है कि अमेरिका और इज़राइल द्वारा किए गए हमलों से हुए नुकसान के लिए उसे लगभग 270 अरब डॉलर का मुआवजा दिया जाए।

ईरान ने क्षतिग्रस्त सरकारी इमारतों की बिक्री की दी अनुमति : ईरान ने युद्ध में क्षतिग्रस्त सरकारी इमारतों की बिक्री या अदला-बदली की अनुमति देते हुए नया निर्देश जारी किया है। इसमें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त या पुनर्निर्माण योग्य न होने वाली इमारतों का फैसला सरकारी एजेंसियां लेंगी। यूएनआईएफआईएल ने लेबनान में मारे गए फ्रांसीसी शांति सैनिक फ्लोरियन मॉन्टोरियो को श्रद्धांजलि दी और उनके पार्थिव शरीर को फ्रांस भेज दिया है।

ट्रंप के टैरिफ वार से परेशान कनाडा, दुनिया में नए व्यापारिक रास्ते की कर रहा तलाश

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नई रणनीति पर जोर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अब सिर्फ अमेरिका पर निर्भर रहना कनाडा की ताकत नहीं, बल्कि कमजोरी बन गया है, और इससे बाहर निकलने के लिए दुनिया के अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाना जरूरी है। ओटावा से जारी एक वीडियो संदेश में कार्नी ने बताया कि अमेरिका ने अपने व्यापारिक रवैये में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में टैरिफ (आयात शुल्क) को इतना बढ़ा दिया गया है, जैसा कि पहले केवल महामंदी के समय देखा गया था। इन भारी शुल्कों का सीधा असर कनाडा के ऑटोमोबाइल, स्टील और लकड़ी (लंबर) उद्योग पर पड़ा है।

अमेरिका ने कनाडा के कई उत्पादों पर लगाए हैं टैरिफ : रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से ही अमेरिका ने कनाडा से आने वाले कई उत्पादों पर कड़े टैरिफ लगाए हुए हैं। कुछ सामानों पर 25% तक और स्टील व एल्युमिनियम पर 50% तक टैक्स लगाया गया है। इससे दोनों देशों के बीच सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है और कनाडा पर नए व्यापारिक विकल्प तलाशने का दबाव बढ़ गया है। कार्नी ने बताया कि उनकी सरकार पिछले एक साल में चार महाद्वीपों में 20 नए व्यापार समझौते कर चुकी है। अब सरकार का फोकस विदेशी निवेश बढ़ाने, देश के अंदर राज्यों के बीच व्यापार नियम आसान बनाने और स्वच्छ ऊर्जा (क्लीन एनर्जी) क्षमता को दोगुना करने पर है, ताकि बाहरी झटकों का असर कम हो सके। उन्होंने कहा,' उम्मीद कोई योजना नहीं होती और पुरानी यादों के सहारे रणनीति नहीं बनाई जा सकती।' यानी कनाडा अब पुराने अमेरिका-केंद्रित मॉडल पर वापस लौटने का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि नई दिशा में आगे बढ़ेगा। कार्नी ने यह भी माना कि अमेरिकी टैरिफ का असर वहां के ऑटो और स्टील सेक्टर के कामगारों पर पड़ा है। अनिश्चित माहौल के कारण कंपनियां निवेश करने से बच रही हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान से भी कनाडा में नाराजगी है, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का '51वां राज्य' बनाने की बात कही थी। इस बयान ने दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री कार्नी ने भरोसा दिलाया कि सरकार समय-समय पर जनता को इस नई आर्थिक रणनीति की जानकारी देती रहेगी।

महिला पत्रकार के होर्मुज से जुड़े सवाल पर भड़के ट्रंप, कहा- बाहर जाओ; भारत से क्या कनेक्शन?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। इस बार मामला भारतीय जहाजों पर हुए हमले से जुड़ा है, जिस पर सवाल पूछने पर वह भड़क गए। दरअसल, व्हाइट हाउस कवर करने वाली ओलिविया रिनाल्डी ने ईरान में चल रही स्थिति और होर्मुज में हाल की घटनाओं को लेकर सवाल पूछने की कोशिश की। जैसे ही उन्होंने भारतीय जहाजों पर हमले का जिक्र किया, ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने पत्रकार को बाहर निकलने को कह दिया।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज पार करने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरान ने हमला किया था, जिस पर भारत ने भी नाराजगी जताई है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक यूजर ने वह क्लिप शेयर की, जिसमें ट्रंप पत्रकारों को बाहर जाने के लिए कहते नजर आ रहे हैं। जिसके बाद उसी पोस्ट को महिला रिपोर्टर ने खुद भी शेयर करते हुए लिखा, 'मैंने राष्ट्रपति से होर्मुज में मौजूद दो जहाजों के बारे में पूछने की कोशिश की, जिन पर कथित तौर पर ईरानी गनबोट्स ने गोलियां चलाई थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- बाहर निकलो।' ओलिविया रिनाल्डी सीबीएस न्यूज में व्हाइट हाउस रिपोर्टर हैं।

वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान की कवरेज भी कर चुकी हैं। इससे पहले वह सीबीएस इवनिंग न्यूज में एसोसिएट प्रोड्यूसर के तौर पर काम कर चुकी हैं। इस बीच, ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने संघर्ष-विराम का गंभीर उल्लंघन किया है, लेकिन उन्हें अब भी शांति समझौते की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा, 'यह होगा। किसी न किसी तरह। अच्छे तरीके से या मुश्किल तरीके से। यह होकर रहेगा।' उन्होंने आगे कहा कि हम ईरान को एक अच्छी डील ऑफर कर रहे हैं। उन्हें यह डील माननी ही पड़ेगी और अगर नहीं मानते हैं तो फिर सभी पुलों और पावर प्लांट्स पर हमले होंगे।

उत्तर कोरिया ने क्लस्टर बमों का किया परीक्षण, किम जोंग-उन की बेटी भी रहीं मौजूद

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों के अपने नवीनतम प्रक्षेपण में क्लस्टर बमों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण नेता किम जोंग-उन की देखरेख में हुई है।दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के सिनफो क्षेत्र से सुबह लगभग 6:10 बजे पूर्वी सागर की ओर दागी। कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाने के एक दिन बाद, कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने ह्वासोंग-11 रा सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण की रिपोर्ट प्रकाशित की। केसीएनए ने कहा कि परीक्षण प्रक्षेपण का उद्देश्य हथियार प्रणाली में लगे क्लस्टर बम वारहेड और विखंडन माइन वारहेड की शक्ति का मूल्यांकन करना था। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 136 किलोमीटर दूर स्थित लगभग 13 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक द्वीप के पास एक लक्ष्य क्षेत्र पर पांच मिसाइलों ने हमला किया। यह अत्यधिक घनत्व वाला क्षेत्र था, जिससे उनकी युद्ध क्षमता पूरी तरह से प्रदर्शित हुई।

बेटी भी रही मौजूद : इसके साथ ही जारी की गई तस्वीरों में किम की बेटी जू-ए भी नजर आई, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्हें उनके उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। किम ने परीक्षण प्रक्षेपण पर अत्यंत संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक विशिष्ट लक्ष्य क्षेत्र को नष्ट करने के लिए उच्च घनत्व वाली मारक क्षमता के साथ-साथ उच्च परिशुद्धता वाली मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विभिन्न क्लस्टर बम वारहेड का विकास और परिचय कोरियाई पीपुल्स आर्मी की परिचालन मांग को अधिक संतोषजनक और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकता है। नेता ने हथियार विकास के लिए जिम्मेदार विज्ञान अनुसंधान समूहों को भी प्रोत्साहित किया और कहा कि वे हमारी सेना की युद्ध तत्परता के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने और अद्यतन करने के अपने महत्वपूर्ण प्रयासों को जारी रखेंगे। किम के साथ परीक्षण प्रक्षेपण में केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य किम जोंग-सिक, मिसाइल प्रशासन के प्रमुख जांग चांग-हा और सैन्य इकाई के कमांडर भी उपस्थित थे। रविवार को किया गया यह प्रक्षेपण 8 अप्रैल को उत्तर कोरिया द्वारा कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण के बाद हुआ। उस समय राज्य मीडिया ने कहा था कि देश ने क्लस्टर बम वारहेड से युक्त एक सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। इसके साथ ही दावा किया था कि यह उच्चतम घनत्व शक्ति के साथ लक्षित क्षेत्रों को राख में बदल सकती है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय ने उत्तर कोरिया द्वारा किए गए नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन बताया है और उत्तर कोरिया की मिसाइल संबंधी उकसावों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। क्लस्टर बम दर्जनों से लेकर सैकड़ों छोटे बम छोड़ता है, जिससे यह एक विस्तृत क्षेत्र में कई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इस हथियार का इस्तेमाल ईरान द्वारा मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष में किया गया है।

इतिहास में पहली बार उपराष्ट्रपति का श्रीलंका दौरा, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

कोलंबो, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन श्रीलंका के दो दिवसीय दौरे पर हैं। रविवार को कोलंबो पहुंचते ही उपराष्ट्रपति ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस दौरान द्विपक्षीय रणनीतिक रिश्तों पर चर्चा हुई।

अधिकारियों के अनुसार, यह किसी भी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली आधिकारिक यात्रा है। कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खेल मंत्री सुनील कुमारा गामगे ने उपराष्ट्रपति के नेतृत्व वाले 49 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति का एक जीवंत उदाहरण पेश करती है। चर्चा का मुख्य केंद्र चक्रवात दितवा के बाद भारत की ओर से दी गई 450 मिलियन डॉलर की विशाल आर्थिक सहायता रही। इस पैकेज का उपयोग श्रीलंका के प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और विशेष रूप से भारतीय मूल के तमिल समुदाय के पुनर्वास के लिए किया जा रहा है। राष्ट्रपति दिसानायके ने संकट के समय भारत की त्वरित मदद की सराहना की।

50 हजार परिवारों का सपना हुआ पूरा : अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति ने एक सामुदायिक स्वागत समारोह में शिरकत की, जहां उन्होंने वर्चुअल माध्यम से 'भारतीय आवास परियोजना' के तीसरे चरण के तहत निर्मित घरों को लाभार्थियों को सौंपा। इस उपलब्धि के साथ ही अब तक श्रीलंका में भारतीय सहायता से कुल 50,000 घर बनाए जा चुके हैं। उपराष्ट्रपति ने बताया कि चौथे चरण के तहत 10,000 और घरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। भारत और श्रीलंका के बीच लंबे समय से लंबित मछुआरों के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं ने गंभीरता से चर्चा की। दोनों देशों के मछुआरों के हितों को ध्यान में रखते हुए, इस विवाद को मानवीय आधार पर सुलझाने और आपसी विश्वास बढ़ाने पर सहमति बनी।

राजनीतिक मुलाकातों का सिलसिला : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से भी मुलाकात की, जिन्होंने उनके सम्मान में 'टेम्पल ट्रीज़' में दोपहर भोज का आयोजन किया। इसके अलावा, विपक्ष के नेता साजित प्रेमदासा और विभिन्न तमिल राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी उनसे भेंट की। प्रेमदासा ने भारत को श्रीलंका का सच्चा साझेदार बताते हुए भविष्य की चुनौतियों से मिलकर लड़ने की बात कही। कल सोमवार को उपराष्ट्रपति नुआरा एलिया के दौरे पर रहेंगे, जहां वे जमीनी स्तर पर आवास परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे और स्थानीय तमिल समुदाय से सीधा संवाद करेंगे। उपराष्ट्रपति के इस दौरे के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि अब श्रीलंका में रहने वाले भारतीय मूल के प्रवासियों की पांचवीं और छठी पीढ़ी भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र होगी, अब श्रीलंकाई अधिकारियों की ओर से जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र और पुराने पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को भी कार्ड प्राप्त करने के लिए वैध माना जाएगा। उन्होंने कहा कि अपनी इस यात्रा में उपराष्ट्रपति ने चक्रवात दितवा के लिए 450 मिलियन डॉलर की सहायता और आवास परियोजनाओं की समीक्षा करने के साथ-साथ मछुआरों के मुद्दे पर भी मानवीय दृष्टिकोण से चर्चा की।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का श्रीलंका दौरा: तेल पाइपलाइन पर चर्चा, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर

कोलंबो, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के बीच बैठक हुई। इसमें भारत और श्रीलंका को तेल पाइपलाइन से जोड़ने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, आवास परियोजनाओं और मछुआरों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर विस्तार से बातचीत की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रविवार को यह जानकारी दी। विदेश सचिव ने कहा, भारत की ओर से ऊर्जा केंद्र परियोजना और श्रीलंका के त्रिंकोमाली में प्रस्तावित योजनाओं पर भी विचार किया गया। साथ ही दोनों देशों को जोड़ने वाली तेल पाइपलाइन के अहमियत पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहे असर के बीच यह संपर्क और भी अहम हो जाता है। मिस्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति दिसानायके ने भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारंपरिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक संकट और हाल की आपदाओं में भारत की ओर से दी गई मदद को भी याद किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका में जारी भारत की विकास परियोजनाओं और विशेषकर दित्वाह चक्रवात राहत पैकेज पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने मछुआरों के मुद्दों पर मानवीय दृष्टिकोण से समाधान निकालने पर सहमति जताई, ताकि दोनों तरफ के मछुआरा समुदायों की आजीविका सुरक्षित रहे। भारत व श्रीलंका साझा इतिहास व भविष्य के वास्तविक साझेदारः

साजित प्रेमदासा श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के सम्मान में दोपहर के भोज का आयोजन किया। इस दौरान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। वहीं, विपक्षी नेता साजित प्रेमदासा ने कहा, भारत व श्रीलंका साझा इतिहास व भविष्य के वास्तविक साझेदार हैं। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंकाई तमिल और भारतीय मूल के तमिल नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने राहत प्रयासों के लिए भारत का आभार जताया। इस दौरान डिजिटल पहचान पत्र (आईडी) परियोजना व आर्थिक सहयोग समझौते जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। आवास विकास परियोजना के लाभार्थियों को सौंपी चाबी अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने भारतीय प्रवासियों से भी मुलाकात की। उन्होंने आवास विकास परियोजना के तमिल समुदाय के लाभार्थियों को घरों की चाबी ऑनलाइन सौंपी। उन्होंने तमिल और सिंहली नववर्ष का जिक्र करते हुए दोनों देशों की परंपरागत एकता पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने कोलंबो में गंगारामया मंदिर और काथिरेसन मंदिर के भी दर्शन किए, जहां उनका पारंपरिक संगीत और नृत्य से स्वागत किया गया। उनका यह दौरा भारत-श्रीलंका के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, यूएस-ईरान टकराव बढ़ने का दिखा असर; तेहरान टैंकर जब्त होने से भड़का

तेहरान, एजेंसी। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना ने ईरानी-झंडे वाले टैंकर को जब्त कर लिया है। इस घटना के बाद ईरान की सेना ने त्वरित प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस कार्रवाई को युद्धविराम समझौते का उल्लंघन और समुद्र में डकैती जैसा कृत्य बताया गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में भी उछाल दर्ज की गई है। शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार फिर से शुरू होने पर अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 6.4 फीसदी बढ़कर 87.88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। अंतरष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.5 फीसदी बढ़कर 96.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। दरअसल, ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध के कारण ईंधन लदे टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते गुजर नहीं पा रहे। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस जलमार्ग पर अमेरिका ने भी नाकाबंदी कर रखी है। इससे लगातार तनाव बढ़ रहा है। दो दिनों से अधिक समय से बरकरार उम्मीदों और निराशाओं के बाद सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखी गई।

होर्मुज खुलने पर कच्चे तेल की कीमतें घटीं, तनाव बढ़ने पर जहाजों पर गोलीबारी : हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ईरान ने वाणिज्यिक यातायात के लिए होर्मुज को पूरी तरह से खोलने की बात कही थी। इस सकारात्मक पहल के बाद कच्चे तेल की कीमतें 9 फीसदी से अधिक गिरी थीं। हालांकि, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखेगी तो ईरान की सेना-ढ्ढक्रत्नष्ट ने होर्मुज को दोबारा बंद करने का एलान कर दिया। शनिवार को तेहरान के इस फैसले के बाद ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने

कई जहाजों पर गोलीबारी भी की। इसमें भारत के भी दो जहाज शामिल रहे, जिस पर विदेश मंत्रालय ने चिंता भी जताई। टकराव बढ़ने के बीच ट्रंप ने एलान किया कि अमेरिका ने नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी-झंडे वाले मालवाहक जहाज को जब्त किया है।

चेतावनी नजरअंदाज कर नाकाबंदी का उल्लंघन : ईरानी ध्वज वाले पोत को जब्त किए जाने के संबंध में अमेरिकी सेना की तरफ से जारी बयान के मुताबिक जहाज पर गोलीबारी के बाद उसे जब्त कर लिया गया। अमेरिका के मुताबिक कई बार दी गई चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए जहाज नाकाबंदी रेखा पार कर गया। इस उल्लंघन के बाद सेना ने जहाज को जब्त कर लिया। खास बात ये है कि पिछले सप्ताह ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू करने के बाद अमेरिका ने पहली बार जहाज को जब्त किया है। अमेरिका ने मिसाइल विध्वंसक पोत की मदद से रोका ईरानी जहाज इस संबंध में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिकी नौसेना ने मिसाइल विध्वंसक पोत की मदद से 'टौस्का' नाम के जहाज को रोका। नौसेना की कार्रवाई के दौरान जहाज के इंजन रूम को नुकसान हुआ, जिसके बाद ईरानी जहाज को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को छह घंटे की अवधि में कई बार नाकाबंदी का उल्लंघन न करने की चेतावनी दी गई थी। पाकिस्तान में प्रस्तावित शांति वार्ता पर सवालिया निशान होर्मुज में तनाव के बीच जहाज जब्त किए जाने की इस घटना से चिंता बढ़ने लगी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा पर भी सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को पाकिस्तान जाएंगे।

असली आज़ादी

बुधवार 22, अप्रैल 2026, दमण।

शेफाली वर्मा टी20आई रैंकिंग में छठे पायदान पर पहुंची, स्मृति मंधाना को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की नई महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं।

शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे श्रृंखला में वह 0-2 से पिछड़ गया। भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था। भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 47 रन बनाए थे। महिला विश्व कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं। यह श्रृंखला दोनों टीम के लिए आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी गेंदबाजों की रैंकिंग में नीचे खिसक गई हैं। दीप्ति दो स्थान नीचे पांचवें जबकि रेणुका चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान के नुकसान से 12वें स्थान पर खिसक गई हैं और शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची से बाहर हो गई हैं।

ललित मोदी ने दी बीसीसीआई को नसीहत, अपने खिलाड़ियों का सम्मान करें

लंदन (एजेंसी)। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नसीहत देते हुए कहा है कि उसे अपने खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिये। ललित मोदी ने कहा है कि इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही बीसीसीआई को मोटा लाभ होता है। मोदी का कहना है कि बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने उसके लिए खजाना भरा है। ललित मोदी ने ये बात इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जेम्स एंडरसन की वीडियो देखकर किया है। उनका कहना है कि भारत में बहुत ही कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी विदाई सम्मान के साथ हुई हैं केवल सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ही दो दिग्गज हैं, जिन्होंने सम्मान के साथ विदायी दी गयी है। वहीं सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग जैसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें विदायी मैच नहीं मिला। हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इन दोनो को भी कोई विदायी मैच नहीं मिला।

मोदी ने एंडरसन के आखिरी टेस्ट का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में एंडरसन लॉर्ड्स के मैदान पर बीयर का गिलास लेकर बालकनी में प्रशंसकों के सामने आते हैं। प्रशंसकों का धन्यवाद अदा करते हैं और उन्हीं के सामने बीयर का गिलास खत्म करते हैं। इससे पहले ललित मोदी ने तो दावा किया है कि आईपीएल टीमों के कुछ मालिकों ने 2011 में काले जादू तक का इस्तेमाल किया था, जिसका उनके पास पुख्ता सबूत है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया है कि वह किसी फिल्म या टीवी सीरीज के जरिए इससे जुड़ी हर चीज का खुलासा करना चाहते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीआई

–घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवाओं को मिलेगा अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है।

ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में कई युवा घरेलू खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके तहत ही गुरनूर बराड़, मानव सुथार, आकिब नबी, नितीश कुमार रेड्डी और हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का अवसर मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ ये टेस्ट मैच आईपीएल के बाद खेला जाएगा। इसके बाद टीम अगानिस्तान के खिलाफ 3 एकदिवसीय के अलावा आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीमिति ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम को जिम्बाब्वे का दौरा भी करना है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को रोटेशन के तहत आराम देना चाहता है।

टी20 विश्व कप मैच फिक्सिंग के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े !

ओटावा (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2026 में न्यूजीलैंड ओर कनाडा मुकाबले को लेकर फिक्सिंग के आरोपों के बाद अब कहा जा रहा है कि इस मामले के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जुड़े हो सकते हैं। ये कहा जा रहा है कि मैच फिक्सिंग को लेकर संदेह के घेरे में आये कनाडाई टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पर लॉरेंज बिश्नोई गैंग का दबाव भी हो सकता है। इससे कनाडाई क्रिकेट धमकियों, चयन में दबाव से लेकर मैच फिक्सिंग के आरोपों से घिर गया है। ऐसे में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की जांच भी चल रही है। कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर, कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजवा के जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। या उनपर बिश्नोई ग्रुप की ओर से मैच फिक्स करने के लिए दबाव डाला गया होगा।

सीबीबसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछली जुलाई (2025) में, एक बड़े प्रोविंशियल टूर्नामेंट में जीत के बाद करीब 25 क्रिकेटर ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक रेस्टोरेंट में इकट्ठा हुए। इस टूर्नामेंट के दो खिलाड़ी अंदर एक टेबल पर गए, जहाँ कनाडा की टीम का एक स्टार दूसरे ग्रुप के साथ डिनर कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि वे बिश्नोई गैंग के हैं। साथ ही कहा कि अगर वह दिलप्रीत बाजवा नाम की तरक्की का सहयोग नहीं करते हैं तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिस मैच पर संदेह है, वह कनाडा का न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर का मैच है। इस मैच में कनाडा के कप्तान दिलप्रीत ने पांचवां ओवर किया जिसमें 15 रन बने और मैच का परिणाम बदल गया। इस ओवर के अलावा

आईसीसी कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़े एक रिकॉर्डेड टेलीफोन कॉल की भी जांच कर रहा है। चौहान का आरोप है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड के सदस्यों ने उन पर नेशनल टीम के लिए कुछ खास खिलाड़ियों को चुनने का दबाव डाला था।

ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचने से चूके शुभमन, तिलक ने लगायी छलांग

अहमदाबाद । आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस के बीच हुए मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को खासा नुकसान हुआ है। इस मैच में टीम के हार के साथ ही शुभमन के बल्लेबाजी में असफल रहने से उनका ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर आने का प्रयास भी असफल रहा। वहीं मुंबई इंडियंस की ओर से शतक लगाने वाले तिलक वर्मा ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 35 खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने में सफल रहे हैं। इस मैच में शुभमन केवल 14 रन ही बना पाए। इससे आईपीएल सत्र के 5 मैचों में उनके कुल 265 रन हो गए हैं। शुभमन अब ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के आक्राम बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 283 रनों के साथ ही पहले नंबर पर बरकारार हैं। वहीं मुम्बई के तिलक गुजरात के खिलाफ नाबाद 101 रनों की पारी के साथ ही सीधे 33वें स्थान पर पहुंच गये हैं है। तिलक के अब 6 मैचों में कुल 144 रन हो गये हैं। वहीं तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कुल 247 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ चौथे और आरसीबी के रजत पाटीदार 230 रनों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

मुल्लांपुर । आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है। साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक-दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है। हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं। खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये। हम एक टीम के रूप में एक-दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं। कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है। वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है। कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं। वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें। वह खिलाड़ियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी उत्साहित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया, बीच के ओवरों में जरुरत से ज्यादा रन दिये

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया। मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंग। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।' वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

बुमराह को लंबे इंतजार के बाद मिला सत्र का पहला विकेट, प्रशंसक भी उत्साहित हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आंखिरकार विकेट मिल ही गया। बुमराह को ये विकेट लंबे इंतजार के बाद मिला है। इस सत्र का ये उनका पहला विकेट है। बुमराह ने पहले ही ओवर में गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन का विकेट लिया। बुमराह को आईपीएल में 325 दिनों के बाद ये विकेट मिला है। उनके इस विकेट पर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2025 क्वालीफायर के दौरान लिया था। बुमराह के इस विकेट से टीम को शुरुआती सफलता मिली और विरोधी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। यह सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि लगभग एक साल के इंतजार के बाद आईपीएल में उनकी वापसी का संकेत था, जो प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं था।

बुमराह ने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2023 के क्वालीफायर मुकाबले के दौरान लिया था। उसके बाद चोट के कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इस लंबे ब्रेक और फिर मैदान पर जोरदार वापसी ने उनके हर प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यही कारण है कि उनके इस पहले विकेट पर फैंस का उत्साह चरम पर था

इस विकेट की एक और दिलचस्प बात यह है कि इसका मूल्य लगभग 26 लाख रुपये आंका गया है। यह कोई वेतन या नीलामी राशि नहीं है, बल्कि एक विशेष डेटा-आधारित मूल्यांकन है। क्रिकेट विश्लेषकों और डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बॉल-लेवल डेटा के अनुसार, सुदर्शन जैसे शीर्ष और प्रभावशाली बल्लेबाज का विकेट लेना, खासकर पारी की शुरुआत में, खेल के परिणामों पर बड़ा प्रभाव डालता है। डिलीवरी का बॉलर-बॉल इम्पैक्ट स्कोर 15.449 रहा, जिसे मौजूदा मैच कन्वर्जन रेट से गुणा करने पर लगभग 25.60 लाख रुपये का मौद्रिक मूल्य प्राप्त होता है।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव : अश्विन

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है। इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है। यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए। हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई। इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया। अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फॉर्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था। उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी। वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है। गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है। अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है। इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है। अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

जोकोविच बोले, विराट हैं मेरे अच्छे दोस्त, उनके कारण क्रिकेट को फॉलो कर रहा

–भारत आने की भी इच्छा जतायी

मैड्रिड (एजेंसी)। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली के बड़े प्रशंसक हैं और उन्हीं के कारण क्रिकेट को फॉलो करते हैं। जोकोविच के अनुसार सर्बिया में लोग क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानते पर विराट से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। विराट कोहली भी समय-समय पर जोकोविच के मैचों को देखने पहुंचते हैं। जोकोविच ने कहा कि जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। जोकोविच ने जल्द ही भारत आने की भी बात कही। मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 समारोह के दौरान इस टेनिस स्टार ने कहा, विराट कोहली मेरे करीबी दोस्त हैं वह ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया पर उनके जरिये और ज्यादा फॉलो करने शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और खेल का आनंद लेते हुए सकारात्मक और अच्छी बातें फैलाएंगे।

जोकोविच ने कहा कि वह भारत के भी प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि वह जल्द ही भारत आना चाहते हैं। जोकोविच ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भारतीय टेनिस और दुनियाभर के खेलप्रेमियों से जो समर्थन मिलता रहा है उस पर मेरा हमेशा प्यार, सम्मान और तारीफ का संदेश रहेगा। मेरा संदेश यह भी होगा- बहुत जल्द आपसे भारत में मिलेंगे क्योंकि मुझे वहां जाने की जरूरत है। मैं पिछले कुछ सालों से भारत जाने की अच्छा रखता हूं। मैं खुद को भारतीय लोगों के बहुत करीब पाता हूं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 की बात करें तो मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह में टेनिस का दबदबा रहा। कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका को क्रमशः स्पोर्ट्समैन और स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब 'राशिद खान~ फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम' में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, ÷मुझे ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा.÷

उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मॉर्गन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मॉर्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।। उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मॉर्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्सविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं।

सलमान और नयनतारा की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू

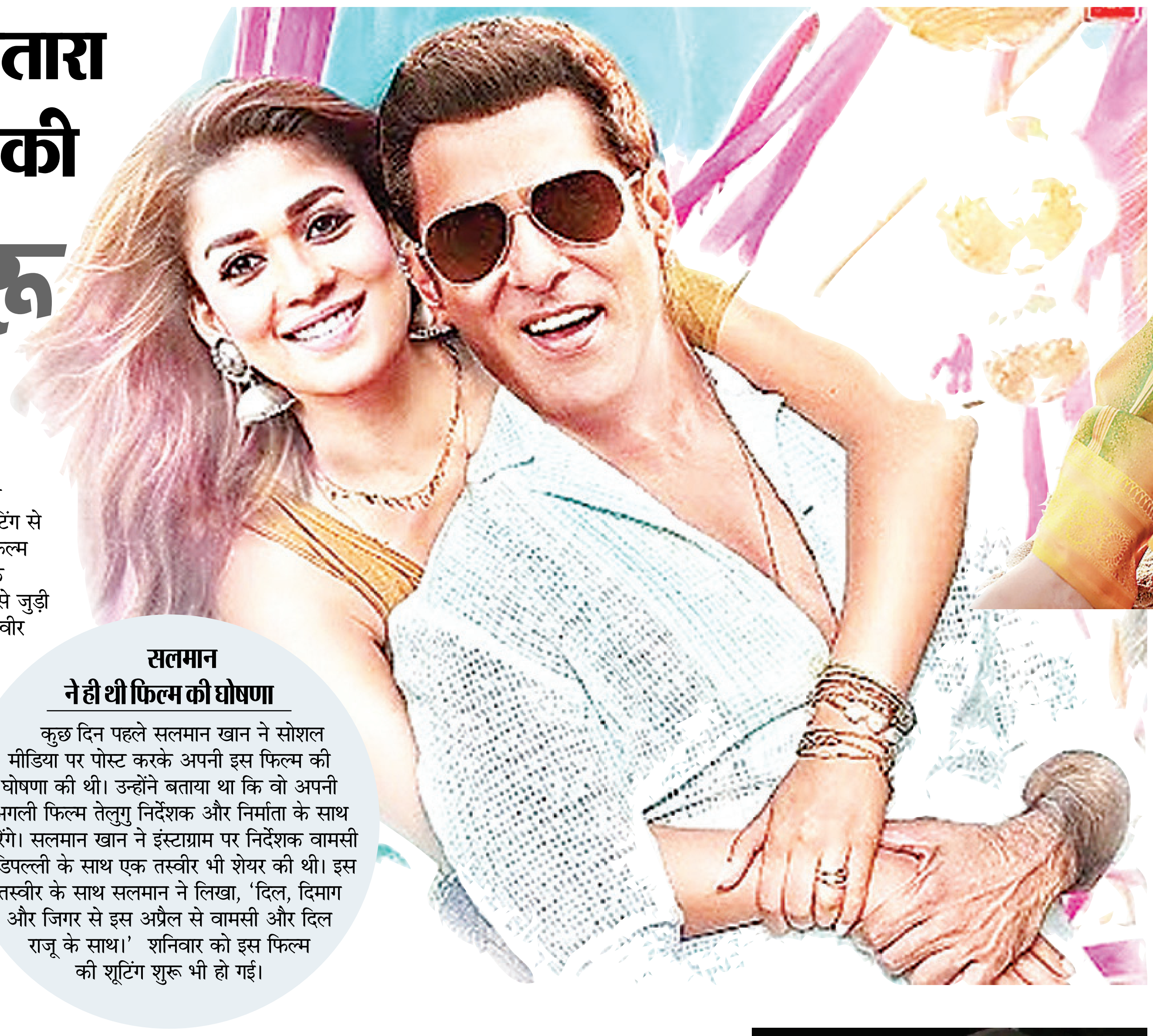

अनिल कपूर समेत कई सेलेब्स ने जाहिर की खुशी

सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' के बाद साउथ एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अगली फिल्म करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ा अपडेट मेकर्स ने साझा किया है। सलमान की इस फिल्म के लिए बॉलीवुड एक्टर्स एक्साइटेड दिख रहे हैं। निर्देशक वामशी ने इंस्टाग्राम पर सलमान खान की आगामी फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की है। निर्देशक ने एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर अपलोड की, जिस पर 'मुहूर्त' लिखा हुआ था। इस तरह वामशी ने फैंस को बताया कि सलमान खान और नयनतारा की एक्शन ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शनिवार को इसका मुहूर्त शॉट किया गया।

कई सेलेब्स ने शूटिंग को लेकर जाहिर की खुशी

डायरेक्टर वामशी की पोस्ट और सलमान खान की फिल्म को लेकर कई बॉलीवुड सेलेब्स उत्साहित दिखे। इस पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए अनिल कपूर ने लिखा, 'वामशी, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसी तरह नम्रता शिरोडकर ने भी कमेंट किया, 'बहुत-बहुत बधाई।' सलमान के फैंस ने भी इस पोस्ट को खूब लाइक किया है।

सलमान ने ही थी फिल्म की घोषणा

कुछ दिन पहले सलमान खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी इस फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि वो अपनी अगली फिल्म तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ करेंगे। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ एक तस्वीर भी शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ।' शनिवार को इस फिल्म की शूटिंग शुरू भी हो गई।

पार्वती कृष्णा योगा के नाम पर हो रहीं ट्रोल

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा को कई लोग फॉलो करते हैं, वह बतौर एक्सपर्ट फेस योगा सिखाती हैं। इसी वजह से वह एक विवाद का हिस्सा बन गई और नेटिजंस द्वारा ट्रोल भी की जा रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और पार्वती कृष्णा का फिल्मी दुनिया से क्या रिश्ता है? पार्वती कृष्णा सोशल मीडिया पर दावा करती हैं कि वह फेस योगा से शॉर्प जॉलाइन बनाने में लोगों की मदद करती हैं। इससे चेहरा काफी हद तक बदल सकता है। लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हुई। नेटिजंस ने फेस योगा से चेहरे में बदलाव की बात को नाकार और इसे गुमराह करने जैसा बताया। खासकर एक यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश ने पार्वती कृष्णा के दावों की आलोचना की।

पार्वती ने दिया ट्रोल्स को जवाब

जब पार्वती कृष्णा की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ज्यादा होने लगी तो एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने जवाब दिया। इसमें उनका कहना है कि वह एक फेस योगा की एक्सपर्ट हैं, उनके पास सर्टिफिकेट भी है। वह कई लोगों की इस मामले में मदद कर चुकी हैं। ट्रोल करने वालों पर भी पार्वती ने निशाना साधा है, इसमें यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश भी शामिल हैं। पार्वती के इंस्टाग्राम वीडियो पर कुछ लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया है।

फिल्मों से क्या है पार्वती कृष्णा का कनेक्शन

पार्वती कृष्णा एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हैं। वह मलयालम फिल्मों में अभिनय करती हैं। साल 2014 में 'एंजल' नामक की फिल्म से पार्वती ने अपना करियर शुरू किया। फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल भी किए। इसमें 'ईश्वरन साक्षीयायी' और 'रात्री माजा' जैसे सीरियल शामिल हैं। पार्वती ने कई शो भी होस्ट किए। मलयालम का पॉपुलर शो 'किडिलम' को भी वह होस्ट कर चुकी हैं।

पांच साल में बनाया भारत में सबसे बड़ा रिकॉर्ड

संजय की चार फिल्मों ने ली 1000 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। उनकी अलग-अलग चार फिल्मों ने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ली है। ऐसा कोई खान स्टार या साउथ का स्टार नहीं कर सका।

यह आम राय है कि बॉक्स ऑफिस पर खान स्टार्स और साउथ के बड़े अभिनेताओं का दबदबा रहता है। हालांकि इस बार मामला थोड़ा अलग है। पिछले कुछ वर्षों में एक एक्टर ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जो लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्में की हैं। उनकी चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब में पहुंची हैं।

अभिनेता ने खान और साउथ के कलाकारों को छोड़ा पीछे

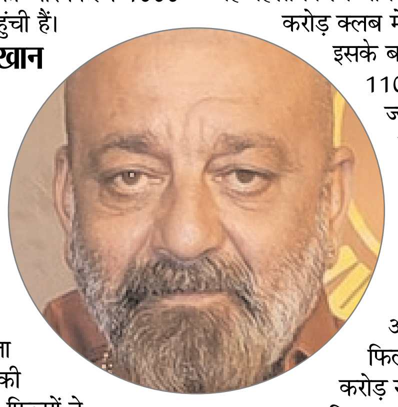

यह कोई और अभिनेता नहीं बल्कि बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता संजय दत्त हैं। उनकी चार अलग-अलग फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इस रिकॉर्ड की खास बात यह है कि कई बड़े स्टार्स ऐसा रिकॉर्ड नहीं बना पाए हैं। इस लिस्ट में आमिर खान, शाहरुख खान और प्रभास जैसे सितारे हैं। हालांकि संजय दत्त इन सब लोगों से आगे हैं। कई सितारों की एक या दो ही फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं। लेकिन संजय दत्त की एक नहीं चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं।

इन फिल्मों ने कमाए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा

संजय दत्त ने 'केजीएफ चैप्टर 2' (2022) में अपने विलेन के किरदार से काफी चर्चा बटोरी। संजय दत्त की यह पहली फिल्म थी जिसने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री मारी थी। इसके बाद 'जवान' ने 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे। 'धुरंधर' (2025) में भी संजय दत्त नजर आए थे। इस फिल्म ने 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। इसी तरह से 'धुरंधर 2' (2026) ने एक महीने में 1700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया है।

संजय दत्त के नाम बड़ा रिकॉर्ड

इस तरह से संजय दत्त अकेले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी 4 फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया है। उनका ये रिकॉर्ड काफी खास माना जा रहा है।

अक्षय कुमार बोले- मेरा बेटा 4500 की नौकरी कर रहा

एक्टर अक्षय कुमार अपनी फिल्म 'भूत बंगला' से फैंस को खूब हंसा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके बेटे को फिल्मों में आने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वो फैशन में अपना करियर बना रहा है।

अक्षय कुमार का बेटा आरव भाटिया

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार दो दशकों से अधिक समय से अपनी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना भी कुछ समय के लिए फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। हालांकि, एक्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके बेटे आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह फैशन में अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद कमा भी रहे हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि उनका बेटा उनसे बहुत अलग नहीं है और आगे कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। वह लंबा है और बहुत ही फोकस्ड है। उसे काम करना पसंद है। लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' वह बेचारा आज भी 4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स वगैरह। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता, लेकिन मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए।

आरव भाटिया कौन हैं?

आरव भाटिया का जन्म 2002 में हुआ था और वे अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के सबसे बड़े बेटे हैं। 15 साल की उम्र में वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए और फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी बहन नितारा (जन्म 2012) अक्सर ट्विंकल के सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि आरव लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं।

सनी देओल-आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का बदला जाएगा टाइटल

सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'लाहौर 1947' लंबे वक्त से चर्चा में है. कुछ समय पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि इस फिल्म का नाम बदल सकता है. लेकिन ये महज अफवाह निकली. लेकिन अब एक बार फिर 'लाहौर 1947' का नाम बदले जाने की खबर सामने आई है.

सनी देओल ने 2026 की शुरुआत में 'बॉर्डर 2' बवाल काट दिया था. इसके बाद सनी देओल के पास कई बड़े फिल्ममेकर्स से ऑफर मिल रहे हैं. एक्टर के पास बहुत सी फिल्में लाइनअप में शामिल हैं. सनी देओल इस साल 'गबरू', 'लाहौर 1947' और 'रामायण' से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं. हाल ही में ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स सामने आईं, जिनमें दावा किया गया कि सनी देओल की 'लाहौर 1947' का नाम बदला जाएगा. लेकिन इनमें कोई सच्चाई नहीं थी. इसी बीच अब खबर मिली है कि वाकई में सनी देओल की फिल्म का नाम बदलने की पूरी तैयारी है.

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल की 'लाहौर 1947' की अनाउंसमेंट की गई थी, जिसके बाद से ही फैंस में इसे लेकर जबरदस्त क्रेज है. ये फिल्म 13 अगस्त को थिएटरों में रिलीज होने वाली है. सनी देओल की इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं और राजकुमार संतोषी डायरेक्ट कर रहे हैं. बीते दिनों खुद आमिर खान ने बताया था कि 'लाहौर 1947' का नाम नहीं बदला जा रहा है. लेकिन अब खबर सामने आई है कि 'लाहौर 1947' का नाम बदला जा रहा है और इसका नया टाइटल भी पता चल गया है.

लाहौर 1947 का बदलेगा नाम?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2026 की मच अवेटेड फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलने के बारे में सोचा जा रहा है. राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में बनी सनी देओल और आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलकर अब 'बंटवारा 1947' किया जा सकता है. हालांकि, अभी तक मेकर्स ने कोई ऐलान नहीं किया है लेकिन ऐसी उम्मीद है कि जल्द ही मेकर्स 'बंटवारा 1947' पर मुहर लगा सकते हैं.

सोनाली ने बिग बॉस मराठी पर लगाए गंभीर आरोप

अभिनेत्री सोनाली राउत ने बिग बॉस मराठी सीजन 6 के निर्माताओं पर शो के दौरान अस्वच्छ (अनहाइजीनिक) रहने की स्थिति का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खराब वातावरण के कारण उन्हें खुजली की बीमारी हो गई। उन्होंने किचन से लेकर वॉशरूम तक में गंदगी होने और मरे हुए चूहे और कॉकरोच मौजूद होने के आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर सोनाली ने अपने शरीर पर, पीठ, बांहों, पैरों और धड़ सहित, चकत्ते और निशान दिखाते हुए वीडियो साझा किए।

एक ही वॉशरूम इस्तेमाल करते थे 17 कंटेस्टेंट

सोनाली राउत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने स्थितियों को दयनीय बताया, जिसमें रसोई में चूहे किराने का सामान कुतर रहे थे और खाने में कॉकरोच पाए जा रहे थे। साथ ही पोस्ट में सोनाली ने अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं, जिसमें उन्होंने अपने शरीर पर निकले दाने, निशान और चकत्ते दिखाए।

भाजपा दीव के जिला अध्यक्ष मोहन लक्ष्मण ने नारी शक्ति वंदन विधेयक को रोकने के लिए कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 21 अप्रैल। भाजपा दीव के जिला अध्यक्ष मोहन लक्ष्मण ने लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रोकने के लिए कांग्रेस और इंडी गठबंधन की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के राहुल गांधी के दोहरे मापदंड को देश के सामने उजागर किया गया है। सबसे दुखद बात यह है कि प्रियंका वाड्रा और ममता बनर्जी जैसी महिला नेताओं की पार्टियों ने इस बिल का विरोध किया था। इससे पता चलता है कि वे नहीं चाहते कि कोई भी साधारण महिला उनके अलावा आगे आए या सत्ता में हिस्सेदारी करे। वे केवल अपने प्रभुत्व के बारे में चिंतित हैं। मोहन लक्ष्मण ने चेतावनी दी कि देश की महिलाएं इस महिला विरोधी गठबंधन को आने वाले चुनावों में मुंहतोड़ जवाब देंगी जो उनके अधिकारों को छीनता है और साजिश करके बिल को रोकता है। भाजपा के जिला अध्यक्ष मोहन लक्ष्मण ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक पारित नहीं हुआ और कहा कि यह महिलाओं का अपमान है और विपक्ष की दोहरी राजनीति है। भाजपा अध्यक्ष मोहन लक्ष्मण ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना 'दोहरी राजनीति' है और यह विधेयक पारित नहीं हुआ है। इस बिल का मकसद लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देना था, लेकिन इस बिल को खारिज कर दिया गया, सड़क मशीनरी बनाई गई और बिल पास हो गया, यह लोकसभा के इतिहास का काला अध्याय है। प्रियंका बद्रा और ममता बनर्जी जैसे नेताओं ने बिल का विरोध किया था।

दीव नगरपालिका के कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा पर दिया गया मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 अप्रैल। दीव कलेक्टर राहुल देव बूरा के मार्गदर्शन में दीव जिले में अग्नि सुरक्षा सप्ताह 2026 कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें नगरपालिका अध्यक्ष हरेश कापड़िया, उपाध्यक्ष करुणा सोलंकी, काउंसिलरों, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। आपातकालीन स्थिति को नियंत्रित करने के तरीके के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आपातकालीन नंबर जैसे 100, 101, 108, 112 और लैंडलाइन नंबर 02875 25, 30, 39 और 25 27 64 के महत्व के बारे में बताया गया और उनका उपयोग कैसे करना है। कार्यक्रम के दौरान जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दीव के आपदा परियोजना अधिकारी माधव हाथी उपस्थित थे और उन्होंने प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के बारे में चर्चा की और सभी से अपने मोबाइल पर सचेत ऐप डाउनलोड करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नगर निगम के कर्मचारियों को आपदा के बारे में सूचित करना और अपने आसपास के लोगों को भी सूचित करना था और अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन के अधिकारियों ने एक बयान दिया ताकि हर कोई आपातकालीन नंबर प्रदर्शित कर सके।

श्री समस्त गुजराती ब्राह्मण समाज दमण ने दिलीपनगर ग्राउंड में श्री विष्णु यज्ञ का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 21 अप्रैल। भगवान श्री परशुराम जयंती के पावन अवसर पर श्री समस्त गुजराती ब्राह्मण समाज दमण द्वारा वैशाख शुक्ल अक्षय तृतीया वि.सं. 2082 के निमित्त भव्य श्री विष्णु यज्ञ का आयोजन किया गया। समाज में शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक उन्नति के उद्देश्य से इस यज्ञ का आयोजन किया गया था। यज्ञ विधि सुबह 9 बजे से प्रारंभ होकर शाम 6 बजे तक चली। पूज्य आचार्य गौरव उपाध्याय के मार्गदर्शन में उनकी 11 ब्राह्मणों की टीम द्वारा संपूर्ण वैदिक विधि से यज्ञ संपन्न किया गया। दमण के ब्राह्मणों सहित अन्य समाजों के 11 युगल यजमान के रूप में इस यज्ञ में आहुति हेतु जुड़े, जिसके कारण इस यज्ञ को सर्व समाज सौहार्द की विशेष पहचान प्राप्त हुई। यज्ञ में यजमान के रूप में भरत पटेल, होटल एमराल्ड के धर्मेंद्र मकन, आर्ची आर्किटेक्ट्स के राजेश टंडेल, सनराइज चैंप स्कूल के विश्वजीत बोराटे, के-जल एंटरप्राइज के जय प्रजापति, दमण के प्रसिद्ध बिल्डर अमरीश इंटवाला तथा ब्राह्मण समाज के राजेश उपाध्याय, निशीथ पाठक, हीरल जोशी, मिलन रावल एवं हिमेश व्यास सहित कुल 11 युगलों ने यज्ञ का सीधा लाभ प्राप्त किया। दमण के इतिहास में सर्व समाज के लिए आयोजित यह श्री विष्णु यज्ञ प्रथम आयोजन माना जा रहा है। यज्ञ के यजमानों को आशीर्वचन देने हेतु अखंडानंद सरस्वती आश्रम, पुनाट के महंत श्री अखंडानंद सरस्वती, अनंत विभूषित श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर जयानंद सरस्वतीजी तथा क्षेत्र के प्रसिद्ध भागवताचार्य पूज्य भरतभाई व्यास विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पूज्य भरतभाई व्यास ने अपने आशीर्वचन में ब्राह्मणों के कर्तव्यों एवं ब्रह्मत्व के महत्व को समझाया तथा भगवान श्री विष्णु के छठे अवतार भगवान श्री परशुराम के जीवन पर प्रकाश डाला। अनंत विभूषित श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर जयानंद सरस्वतीजी ने अपने आशीर्वचन में यज्ञ को भारतीय संस्कृति की परंपरा को संजोने वाला कार्य बताया तथा चिंता व्यक्त की कि वर्तमान समय में हमारी भारतीय परंपराएं एवं संस्कार धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं और एक स्वस्थ समाज की पहचान भी समाप्त होती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में ब्राह्मण समाज दमण द्वारा सर्व समाज के कल्याण हेतु आयोजित यह यज्ञ वसुधैव कुटुंबकम का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसके पश्चात महंत श्री अखंडानंद सरस्वती महाराज ने गौमाता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण का पालन-पोषण गायों के बीच हुआ था और गौमाता उनके जीवन का अभिन्न अंग रही है। इसी कारण वे भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथ का उपदेश दे सके। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि केवल गौशालाओं में दान देकर संतोष न करें, बल्कि सप्ताह में एक दिन गौशाला जाकर गौसेवा अवश्य करें। इसके अतिरिक्त यज्ञ के अंत में श्री समस्त गुजराती ब्राह्मण समाज दमण के अध्यक्ष जयेश जोशी द्वारा स्वहस्तलिखित भगवद्गीता को अतिथियों को अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। अखंडानंद सरस्वती आश्रम के महंत द्वारा उनके इस सराहनीय कार्य के लिए उन्हें रुद्राक्ष माला भेंट कर आशीर्वाद दिया गया। जयेश जोशी ने अपने संबोधन में भगवद्गीता के पठन पर विशेष बल दिया तथा उसके मूल्यों को जीवन में अपनाने का आ''ान किया। उन्होंने बताया कि आज जो भी आध्यात्मिक ग्रंथ जनसामान्य तक पहुंचे हैं, उन्हें कंठस्थ कर पीढ़ियों तक सुरक्षित रखने में ब्राह्मणों का अमूल्य योगदान रहा है। यज्ञ पूर्णाहुति के पश्चात महाआरती के दौरान संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक हो गया तथा सभी ने भगवान श्री विष्णु एवं भगवान श्री परशुराम की आरती कर दिव्य अनुभूति प्राप्त की। लगभग 450 भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। यज्ञ के दर्शन एवं यज्ञशाला की परिक्रमा हेतु दमण के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें दमण जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्षा जागृति पटेल, डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल तथा दमण नगरपालिका की अध्यक्षा दीपिका टंडेल प्रमुख रहे। यज्ञ के अंत में अध्यक्ष जयेश जोशी ने सभी सहयोगियों का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से इस यज्ञ को सफल बनाने में योगदान दिया। इस पूरे आयोजन का नेतृत्व अध्यक्ष जयेश जोशी ने पूर्व अध्यक्ष अपूर्व पाठक एवं संस्थापक अध्यक्ष प्रज्ञेश भट्ट के साथ मिलकर किया। आयोजन की सफलता में कोर कमेटी के सदस्यों में सचिव कमलेश मोढा, कोषाध्यक्ष मेहुल व्यास, भव्येश जोशी, कश्यप पंड्या, सार्थक पंड्या, पूर्व अध्यक्ष हीरेन जोशी एवं राजेश उपाध्याय का महत्वपूर्ण योगदान रहा। महिला सदस्यों में बिंदिया जोशी, निमिषा पाठक, जयमाला मोढा एवं काव्या पंड्या ने विशेष भूमिका निभाई, जबकि शिवानी पंड्या, डॉ. शोभा जोशी एवं वैशाली भट्ट का उन्हें पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

राजकीय महाविद्यालय, दमण में व्यक्तित्व विकास पर विशेषज्ञ सत्र हुआ आयोजित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 21 अप्रैल। विद्यार्थियों में मूल्य-आधारित शिक्षा, व्यक्तित्व विकास और समग्र विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 20 अप्रैल 2026 को इंटीग्रेटेड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कोर्स के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय दमण में एक विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया गया। विशेषज्ञ आईपीडीसी के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर मनीष सोलंकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मनीष सोलंकीने अपने रोचक एवं संवादात्मक शैली में विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, सशक्त चरित्र और जीवन के आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। दो चरणों में आयोजित इस कार्यक्रम के पहले सत्र (सुबह 10:00 बजे से 11:30 बजे तक) में बी.ए., बी. कॉम. और बीएससी के सेमेस्टर 4 के विद्यार्थियों व शिक्षकों और दूसरे सत्र (दोपहर 12:00 बजे से 1:30 बजे तक) में बीएससी सेमेस्टर 2 के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की और सत्र की व्यावहारिक शैली की सराहना की। आईपीडीसी कोर्स के प्रभाव संबंधी अपने अनुभव साझा करते हुए एक विद्यार्थी ने कहा कि यह सत्र बहुत प्रेरणादायक था और इसने मुझे दैनिक जीवन में मूल्यों के महत्व को समझने में मदद की। सत्र की शैली के संबंध में एक छात्र ने कहा कि इंटरैक्टिव शैली ने विषयों को बहुत स्पष्ट और समझने योग्य बना दिया। बीएससी सेमेस्टर 4 की प्रतिनिधि रिमझिम सिंह और बीएससी सेमेस्टर कक की प्रतिनिधि जिशा दमणिया ने आईपीडीसी कोर्स संबंधी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. मुहम्मद शा और डॉ. पंकज जाजे ने किया।

दीव में दादाजी वृद्धाश्रम गुप्त प्रयाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क टिफिन की व्यवस्था की शुरू

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 21 अप्रैल। दीव में संत श्री मुक्तानंद बापू द्वारा चलाए जा रहे दादाजी वृद्धाश्रम गुप्त प्रयाग ने सराहनीय कार्य शुरू किया है। दीव जिले में रहने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए भोजन प्रसाद यानि मुफ्त टिफिन की व्यवस्था शुरू की गई है। आज संत मुक्तानंद बापू, समस्त जनरल खारवा समाज के प्रमुख रविन्द्र देवगी, पूर्व प्रमुख जमनादास घेडिया, पंकजभाई और खारवा समाज के गणमान्य व्यक्ति एवं दादाजी वृद्धाश्रम के कर्मचारियों ने घर-घर जाकर टिफिन पहुंचाया।

दीव के घोघाला कॉलोनी में एक बुजुर्ग व्यक्ति का मिला शव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 अप्रैल। दीव के घोघाला कॉलोनी में एक बुजुर्ग व्यक्ति मृत अवस्था में पाया गया है। पुलिस भी मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू की। दीव के घोघला कॉलोनी क्षेत्र में कल एक बुजुर्ग व्यक्ति अपने घर की बालकनी में मृत पाया गया। 59 वर्षीय शशिकांत लालजी बारिया सुबह से घोघला कॉलोनी में रह रहे थे। वे अपने घर की बालकनी में सो रहे थे। शाम को पड़ोसियों ने उन्हें जगाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं उठे तो उनके परिवार को सूचना दी गई और उन्हें दीव सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस भी सरकारी अस्पताल पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू की।

विजय गोयल को भारत विकास परिषद के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर के रुप में हुई नियुक्त

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी, 21 अप्रैल। वलसाड जिले के जाने-माने सामाजिक अग्रणी तथा अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के गुजरात प्रदेश उपाध्यक्ष विजयकुमार गोयल को भारत विकास परिषद का वलसाड जिला कोऑर्डिनेटर के रुप में नियुक्त किया गया है। परिषद आरएसएस से जुडा सामाजिक प्रवृत्तियों का संगठन है। 19 अप्रैल को भारत विकास परिषद के दक्षिण गुजरात प्रान्त की सालाना सभा और ईनाम वितरण समारोह दक्षिण गुजरात प्रान्त के अध्यक्ष और पश्चिम भारत के कोऑर्डिनेटर धर्मेश पंड्या और साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर डॉ. किशोर सिंह चावड़ा की उपस्थिति में सूरत के एकलव्य भवन में हुआ। भारत विकास परिषद की साउथ गुजरात प्रान्त मीटिंग में धर्मेश शाह को अध्यक्ष और उनकी टीम की नियुक्ति की गयी। अलग-अलग डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर भी अपॉइंट किए गए, जिसमें विजय गोयल को वलसाड डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर चुना गया। विजय गोयल ने एक बयान में कहा है कि पहले दौर में वे भारत विकास परिषद की वलसाड टीम बनाएंगे और परिषद के प्रोग्राम लागू करेंगे और दूसरे दौर में वे वापी और उमरगाम की टीम बनाएंगे।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)